CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-142
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 27 अगस्त 2024

आज का विचार

गंभीर मत बनो..
ईमानदार बनो...

महाराष्ट्र को सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी की 35 फुट ऊंची प्रतिमा ढही

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में समुद्र तट पर राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा यह अचानक ढह गई। बताया जा रहा है कि कोंकण क्षेत्र में तटीय जिले के मालवन शहर में घटिया निर्माण कार्य के कारण यह घटना हुई। इस प्रतिमा का उद्घाटन पिछले साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी धूमधाम से किया था। प्रतिमा के ढहने से सिंधुदुर्ग जिले के शिव प्रेमियों में गुस्से की लहर फैल गई। मालवन तहसील के राजकोट में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा 35 फीट ऊंची थी। पीएम मोदी ने वार्षिक नौसेना दिवस समारोह के अवसर पर 4 दिसंबर, 2023 को एक समारोह में उद्घाटन किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण सोमवार दोपहर अचानक शिवाजी की प्रतिमा ढह गई। महज 8 महीने में प्रतिमा के ढहने से जिले के शिवप्रेमियों में गुस्से की लहर है। वे लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए और आरोप लगाया कि यह घटिया निर्माण कार्य के कारण गिरी है। राज्य पीडब्ल्यूडी विभाग ने प्रतिमा के आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर 5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मालवन की तहसीलदार वर्षा जाल्टे बाकी सरकारी अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर हैं। उन्होंने नौसेना को घटना के बारे में सूचित किया है। इस बीच, घटनास्थल का दौरा करने वाले विधायक वैभव नाइक ने इस घटना पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसके उद्घाटन के 8 महीने के भीतर ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई। उन्होंने घटना की जांच कराने की मांग की। सावंतवाड़ी के पूर्व नागरिक अध्यक्ष प्रेमानंद सालगांवकर ने मांग की कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नैतिक आधार पर पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

असम में बिना चुनाव लड़े बीजेपी ने जीत ली राज्यसभा की दो सीटें

गुवाहाटी। असम की सत्ताधारी भाजपा ने सोमवार को राज्यसभा की दो सीटें बिना चुनाव लड़े अपना झोली में कर ली हैं। सोमवार को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी, जबकि राज्य में होने वाले राज्यसभा उप चुनाव के लिए भाजपा से केवल दो ही उम्मीदवार मैदान में थे। इसलिए उन दोनों भाजपा उम्मीदवारों का निर्विरोध चयन हो गया। जिन दो नेताओं का चुनाव राज्यसभा सांसद के रूप में हुआ है उनमें एक रामेश्वर तेली हैं, जबकि दूसरा नाम मिशन रंजन दास है। इन दोनों नेताओं ने पिछले हफ्ते अपना नामांकन दाखिल किया था। सोमवार को नामाकंन वापसी की मियाद खत्म होने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर राजीब भट्टाचार्य ने दोनों को निर्विरोध निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र दिया। भट्टाचार्य ने कहा, चूंकि नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन वे ही दो उम्मीदवार मैदान में रह गए थे, इसलिए तेली और दास दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया और उन्हें प्रमाण पत्र सौंप दिए गए। 3 सितंबर को नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 26 अगस्त थी।

मासूम को किया किडनैप, बच्ची रोने लगी तो मुंह दबाया, सांसे थमी तो कुएं में फेकी लाश

रतलाम में हैवानियत, पड़ोसी ने की 10 माह की बच्ची की हत्या

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में 11 दिन पहले गायब हुई बच्ची का शव मिल गया है। इसी के साथ हत्या करने वाले को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में चौकाने वाली बात सामने आई है। अपहरण और हत्या करने वाला शख्स पड़ोस में रहने वाला ही निकला। हत्या के पीछे की वजह जानकर सभी लोग हैरान हैं। आरोपी बच्ची की मां के साथ गलत काम करना चाहता था, इसलिए उसने महिला की 10 माह की मासूम को किडनैप कर लिया। बच्ची को किडनैप करने के पीछे भी हैवान की प्लानिंग थी। आरोपी दशरथ कटियार बच्ची की मां पर गंदी नजर रखता था। इसलिए उसने प्लान बनाया कि जैसे ही महिला अपनी बच्ची को ढूंढ़ने के लिए घर से बाहर आएगी, वो उसके साथ गलत काम करेगा। इसी प्लानिंग के तहत आरोपी ने बच्ची को किडनैप कर लिया और घर से बाहर ले जाने लगा। मगर ऐसा करते समय बच्ची रोने लगी। उसके चीखने की आवाज को रोकने के लिए आरोपी ने उसका मुंह दबाया और घर से लेकर भाग गया। मगर बच्ची को ठीक से सांस नहीं मिल सकी और उसकी मौत हो गई। आरोपी दशरथ ने कि बच्ची सांस नहीं ले रही है तो उसने 10 माह की मासूम की लाश को कुएं में फेक दिया। यह पूरी घटना रतलाम के लसूडिया नाथी गांव की 17 अगस्त की है जहां 10 माह की मासूम तनु का उसके नाना के घर से अपहरण किया गया था।

एक लाख रुपए के इनाम की घोषणा की थी

बच्ची का कुछ पता नहीं चला तो परिजन ने कालूखेड़ा थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस बच्ची की तलाश में जुट गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बच्ची का पता नहीं चला तो परिजन गुस्सा हो गए और थाने में धरने पर बैठ गए। पुलिस ने आरोपी की सूचना देने वाले को 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा कर दी।

राजस्थान भाग गया था आरोपी

घर से बच्ची गायब होने पर परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई। पूछताछ के दौरान दशरथ से भी पूछा गया, लेकिन उसने पुलिस को गुमराह किया। पुलिस ने स्नीफर डॉग की मदद से मामले की छानबीन शुरू की थी। स्नीफर डॉग घर से करीब 2 किलोमीटर दूर जाकर रुका, जहां आरोपी का आना जाना था। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की तो आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध लगी और आरोपी दशरथ रतलाम से भाग कर मंदसौर जिले में अपनी बहन के घर पहुंच गया। जिसके बाद वह अपने ससुराल राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में जाकर छुप गया। रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि आरोपी पर शक हुआ तो प्रतापगढ़ जिले के हथुनिया थाने के कांस्टेबल सुरेश मीणा की बताई सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद दशरथ से पूछताछ हुई तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर गांव के कुएं से बच्ची का शव निकाला।

पुलिस के बुलाने पर भी नहीं आया आरोपी

बार-बार बुलाने पर भी आरोपी नहीं आया तो पुलिस का शक उस पर पुख्ता हो गया। इसके बाद पुलिस ने मुखबिरों और राजस्थान पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी कि गिरफ्तारी के बाद अब ग्रामीणों ने उसे फांसी देने की मांग की है। जबकि पुलिस इस मामले को फास्ट्रैक कोर्ट में चलवा कर आरोपी को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलवाने की बात कह रही है।

कोलकाता कांड के आरोपी ने कबूला जुर्म

कोलकाता। *कोलकाता रेप मर्डर केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। सीबीआई ने आरोपी संजय रॉय समेत कई लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया है। संजय रॉय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। संजय ने कहा कि उसने रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर का मर्डर किया था। घटना को अंजाम देने से पहले वो रेड लाइट एरिया गया था। रास्ते में भी एक लड़की को छेड़ा और गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगी थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में ये सारी बातें कही हैं। पुलिस कस्टडी में भी संजय ने रेप और मर्डर की बात स्वीकार की थी। संजय का यह कबूलनामा मर्डर और रेप के 18 दिन बाद आया है। 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी। संजय को घटना के अगले ही दिन गिरफ्तार कर लिया गया था। संजय मेडिकल कॉलेज में ही सिविक वॉलंटियर था। पुलिस के बाद 14 अगस्त को ये केस सीबीआई को हैंडओवर कर दिया गया था। इसके बाद उसे सियालदह कोर्ट में पेश किया गया। 23 अगस्त को अदालत ने संजय सहित 7 लोगों के पॉलीग्राफ टेस्ट की इजाजत दी थी। मजिस्ट्रेट के सामने रोते हुए उसने कहा था कि मैंने कोई क्राइम नहीं किया है। मुझे फंसाया जा रहा है। शायद पॉलीग्राफ टेस्ट से मेरी बेगुनाही साबित हो जाए।*

किसान आंदोलन पर बयान के बाद मंडी सांसद को बीजेपी की चेतावनी- भाजपा के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं

अब तो कंगना मान जाओ...

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत की किसान आंदोलन पर की गई टिप्पणी से बवाल मच गया है। अब भाजपा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी केंद्रीय मीडिया विभाग ने सोमवार को एक प्रेस रिलीज जारी की। इसमें कहा गया कि भाजपा ने मंडी की मौजूदा सांसद से भविष्य में इस तरह के बयान देने से बचने को कहा है। किसान आंदोलन पर रनौत की टिप्पणियों से असहमति जताते हुए भाजपा ने कहा कि अभिनेत्री से नेत्री बनीं कंगना रनौत बीजेपी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने के लिए अधिकृत नहीं हैं। भाजपा ने आगे कहा कि पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ सामाजिक सद्भाव के सिद्धांतों का पालन करने के लिए दृढ़ संकल्प है। दरअसल, रविवार को मंडी के मौजूदा सांसद ने कहा था कि अगर सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन से बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। मंडी के सांसद द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में, उन्होंने आरोप लगाया कि अब निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के दौरान लाशें लटक रही थीं और बलात्कार हो रहे थे। भाजपा ने एक बयान में कहा कि किसान आंदोलन के संदर्भ में भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा दिया गया बयान पार्टी की राय नहीं है। भाजपा कंगना रनौत द्वारा दिए गए बयान से अपनी असहमति व्यक्त करती है। भाजपा की ओर से कंगना रनौत को भविष्य में इस तरह का कोई बयान नहीं देने का निर्देश दिया गया है।

कांग्रेस ने की माफी की मांग कांग्रेस ने कंगना रनौत के बयान को लेकर माफी की मांग की है। वहीं, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसी सांसद को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। उन्हें अपने क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना चाहिए। इस बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कहा कि भाजपा सांसद का देश के अन्न दाताओं के लिए विचार देखिए. - कितना ज्यादा घृणा है इनके मन में। इन्हें देशवासी के रूप में रोबोट चाहिए जिनके पास खुद का दिमाग नहीं हो और अगर हो तो, इनके जैसे घृणा से भरा हो।

मुकेश अंबानी की फाइनेंस कंपनी को मिली विदेशी निवेश बढ़ाने की मंजूरी

मुंबई। मुकेश अंबानी की फाइनेंस कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को सरकार ने विदेशी निवेश बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस फाइनेंस कंपनी में विदेशी निवेश को बढ़ाकर 49 फीसदी तक ले जाना संभव हो गया है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने अंबानी की फाइनेंस कंपनी को विदेशी निवेश बढ़ाने की यह मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स ने उसे कुल विदेशी निवेश (एफपीआई समेत) को फुली डायलुटेड बेसिस पर पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल के 49 फीसदी तक ले जाने की मंजूरी दी है। शेयर बाजार पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस समूह की जियो

फाइनेंशियल सर्विसेज के 53 फीसदी पब्लिकली फ्लोट शेयरों में विदेशी निवेशकों के पास 17.55 फीसदी हिस्सेदारी है। खबर सामने आने के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में यह शेयर ग्रीन जोन में ट्रेड कर रहा था। शुरुआती सेशन में शेयर 0.85 फीसदी की तेजी के साथ 330 रुपये के पास पहुंचा हुआ था।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लगभग एक साल पहले स्वतंत्र अस्तित्व में आई है। पहले कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की यूनिट के तौर पर काम करती थी। उसे जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से डिमर्ज किया गया। उसके बाद से जियो फाइनेंशियल सर्विसेज स्टैंडअलोन नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में काम कर रही है। मुकेश अंबानी की इस कंपनी ने हालिया महीनों में अपने कारोबार के दायरे का विस्तार किया है। कंपनी ने हाल ही में म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट लोने देने और टू-व्हीलर समेत ऑटो इंश्योरेंस देने की शुरुआत की है। इसके लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने कई इंश्योरेंस कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी शिप लीजिंग बिजनेस की भी शुरुआत कर चुकी है। कुछ ही समय पहले कंपनी ने ब्लैकरॉक के साथ मिलकर एसेट मैनेजमेंट के सेगमेंट में एंट्री की है।

CNEWS सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

उज्जैन से इंदौर आकर जयपुर रवाना हुए राजस्थान के सीएम भजन लाल

इंदौर। राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा सोमवार शाम उज्जैन से वापस इंदौर लौट कर जयपुर रवाना हो गए। उज्जैन में वे महाकाल मंदिर में दर्शन करने के साथ ही सवारी में भी शामिल हुए। इसके अलावा सांदीपनि आश्रम में भी शर्मा ने दर्शन किए। इससे पहले दोपहर को इंदौर एयरपोर्ट पर शर्मा का स्वागत जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया। शर्मा दोपहर में इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे, यहां से वे उज्जैन के लिए हेलिकॉप्टर से रवाना हुए। यहां उनका स्वागत मंत्री सिलावट ने किया। राजस्थान के सीएम ने ट्वीट में लिखा कि प्रेरणा केंद्र के रूप में स्थापित होगा श्रीकृष्ण गमन पथ। जन्माष्टमी के अवसर पर मैं प्रदेश के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान कृष्ण धर्म के प्रतीक हैं और उनका जीवन आज भी हमें प्रेरित करता हैं। जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के पावन चरण पड़े, उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। जगद् गुरु भगवान श्री कृष्ण का लीलामयी जीवन श्रीकृष्ण- गमन पथ के माध्यम से हमारे प्रेरणा केंद्र के रूप में स्थापित होगा। श्रीकृष्ण ने मथुरा से भरतपुर और कोटा के रास्ते उज्जैन तक आध्यात्मिक यात्रा की थी। हम इस ऐतिहासिक मार्ग को विकसित करने का काम करेंगे। लोक आस्था के केंद्र प्रभु श्रीकृष्ण से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों व धार्मिक स्थलों को श्रीकृष्ण गमन-पथ के रूप में विकसित किया जाएगा। मार्ग में पड़ने वाले मंदिरों जैसे भरतपुर में बांके बिहारी मंदिर, कोटा में श्री मथुराधीश मंदिर, झालरापाटन में श्री द्वारकाधीश मंदिर तथा अन्य तीर्थ स्थानो का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, विकास कार्य किए जाएंगे और तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

पं. विष्णुप्रसाद शुक्ला की याद में हुई परिचर्चा

इंदौर। श्री परशुराम सेना द्वारा ब्राह्मण शिरोमणि स्व. विष्णु प्रसाद जी शुक्ला बड़े भैया की द्वितीय पुण्यतिथि पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं ने कहा कि समाज, धर्म एवं राष्ट्र की सेवा के साथ ही अपने पास मदद की उम्मीद से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को हरसंभव सहायता देना बड़े भैया के व्यवहार में शामिल था। ब्राह्मण समाज की एकता के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयास अद्वितीय हैं, विशेष कर युवाओं को समाजसेवा से जोड़ना उनकी विशेष उपलब्धि रही है। परिचर्चा में लोकप्रिय कवि पं. सत्यनारायण सत्तन, राजीव शर्मा, नवनीत शुक्ला और पं. कृपाशंकर शुक्ला ने बड़े भैया के व्यक्तित्व और उनकी समाज सेवाओं का याद किया। श्री परशुराम सेना द्वारा आयोजित समारोह में संजय शुक्ला (पूर्व विधायक), अनूप वाजपेयी (अन्नू), जीतू त्रिपाठी (बाबा), अनुपम तिवारी, सतेन्द्र शर्मा, भूरालाल व्यास, प्रकाश व्यास, राजेश शुक्ला, प्रमिला शर्मा, विमला जोशी आदि द्वारा समाज की 11 विभूतियों को पं विष्णु प्रसाद जी शुक्ला सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में स्व. विष्णु प्रसाद जी शुक्ला बड़े भैया को चाहने वाले, युवा शक्ति और मातृशक्ति मौजूद थी। इस आयोजन में ब्राह्मण समाज एवं बड़े भैया के स्नेहीजन ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि स्वागत परशुराम सेना के संस्थापक मंडल के पं. विनोद द्विवेदी, पं गौतम तिवारी, पं प्रकाश वाजपेयी, पं. बृजेश शुक्ला, पं. पुष्पेंद्र शुक्ला (पप्पी), पं. प्रेम बागोरा एवं परशुराम सेना के महासचिव पं. राजेश दुबे द्वारा किया गया। स्वागत भाषण में परशुराम सेना मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पं. अनूप शुक्ला ने बाबूजी की प्रेरणाओं का स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग का अनुसरण करने की बात कही। सम्मान समारोह के अंतर्गत सुरेश दुबे 'जौहरी ', पं.पवन दास महाराज नवनिर्वाचित महामंडलेश्वर, कविता प्रदीप द्विवेदी, पं. स्वयं प्रकाश शुक्ला, शैलेंद्र जोशी. सुरेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र जोशी, एडवोकेट पीके शुक्ला, शिवनारायण मिश्रा, दिलीप दुबे, नरेंद्र जी तिवारी, प्रियांशु पांडेय आदि का सम्मान प्रशस्ति-पत्र भेंटकर किया गया।

पीथमपुर-उज्जैन में फ्लैटेड इंडस्ट्री की तैयारी, एक ही बिल्डिंग में चलेंगे कई उद्योग

इंदौर। राज्य सरकार अब जल्द ही हाईराइज फ्लैटेड इंडस्ट्री एरिया बनाने जा रही है। यानी अब एक ही इमारत के अलग-अलग फ्लैट में एक साथ कई उद्योग संचालित किए जा सकेंगे। यह निर्णय शहरों के समीप खेती की बेशकीमती जमीनों को उद्योगों के लिए लेने के विरोध को देखते हुए लिया गया है। मप्र स्टेट इंडस्ट्री डेवलमेंट कॉपोर्रेशन ने इंदौर के समीप पीथमपुर, उज्जैन और भोपाल के समीप मंडीदीप में प्रोजेक्ट प्रस्तावित किए हैं। उज्जैन में 29 एकड़, मंडीदीप में 25 एकड़ और इंदौर पीथमपुर में भी दो भवनों के लिए जमीन चिह्नित की जा रही है। अभी देश में ऐसी फैक्ट्रियां, मुंबई, पुणे व सूरत में हैं। इस तरह के प्रोजेक्ट की मांग तो कई दिनों से चल रही है, इस बार प्रोजेक्ट बना कर सरकार के पास अनुमति के लिए भेजा है। इसके मंजूर होने पर गारमेंट, इलेक्ट्रानिक्स और ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग जैसी इंडस्ट्री के लिए स्थापना खर्च में कमी आएगी। इंदौर एमपीएसआईडीसी की कार्यकारी संचालक सपना जैन के अनुसार पीथमपुर में फ्लैटेड इंडस्ट्री के लिए दो यूनिट बनाने का प्रस्ताव है। इसके लिए जगह तय की जा रही है।

मोबाइल देखने पर बच्चे को पीटना मां-बहन को पड़ा महंगा, पैर पटकते हुए थाने पहुंचा 7वीं का छात्र

13 साल के किशोर ने मां और बहन पर केस दर्ज करवाया मारपीट का केस

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में कथित तौर पर मैसेज देखने के लिए मोबाइल उठाने पर मां और बड़ी बहन ने किशोर की पिटाई कर दी। किशोर भी इसके खिलाफ थाने पहुंच गया। उसने मां और बड़ी बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामला सिमरोल थाना क्षेत्र का है। सातवीं में पढ़ने वाला किशोर अपने दादा के साथ रहता है। वह स्कूल की छुट्टियां होने पर छोटी बहन के साथ अपनी मां के पास लालघाटी-दतौदा पहुंचा। यहां उसकी मां और बड़ी बहन रहती है। किशोर ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके स्कूल में मां का मोबाइल नंबर दर्ज है और स्कूल की गतिविधियों से संबंधित सारे मैसेज मां के ही मोबाइल फोन पर आते हैं। शनिवार की रात को वह जब मां के पास पहुंचा तो उसने स्कूल की गतिविधियां जानने के लिए मां का फोन उठा लिया तो मां ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। इस मामले में पुलिस ने बच्चे की शिकायत पर मां और बहन के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला परिवार में हिंसा और संचार की कमी के मुद्दों को उजागर करता है।

धारदार हथियार उठाने का आरोप भी लगाया

किशोर की मानें तो वह मां के मोबाइल पर स्कूल का मैसेज देखना चाहता था और जानना चाहता था कि सोमवार को स्कूल जाने के लिए क्या मैसेज है। इस पर मां ने नाराजगी जताई और उसकी पिटाई कर दी। बाद में बड़ी बहन ने भी उसको पीटा। तभी छोटी बहन जो किशोर के साथ दादा के यहां रहती है, वह बचाने लगी तो मां ने उसे भी पीटा और धमकाया भी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद किशोर ने सिमरोल थाने में अपनी मां और बड़ी बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। किशोर ने आरोप लगाया है कि मां ने मारने के लिए धारदार हथियार भी उठा लिया था।

कनाड़ पहुंचकर दादा को बताई घटना

किशोर ने बाताया कि जब छोटी बहन मुझे बचाने आई तो मां ने उसे भी पीटा। उन्होंने धमकी दी कि दोबारा यहां घर आए तो ठीक नहीं होगा। इसके बाद हम दोनों वहां से निकल गए। कनाड़ पहुंचकर दादा को पूरी घटना बताई।

अभिभावक समझें बच्चों की भावनाएं

इससे पहले भी मोबाइल को लेकर बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच विवाद होने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई तो ऐसे प्रकरण हैं जब बच्चों ने मोबाइल की खातिर जान तक दे दी। मनोरोग विशेषज्ञों की मानें तो बच्चों में धैर्य की कमी हो रही है, और वे अपनी इच्छा के विपरीत कोई बात सुनने को तैयार नहीं होते। ऐसे में जरूरी है कि अभिभावक भी बच्चों की भावनाओं को समझें।

इधर, स्कूल में टीचर ने मोबाइल पकड़ा तो भागा छात्र

इधर, गौतमपुरा में 12वीं के लापता स्टूडेंट को पुलिस ने खोजकर परिजनों को सौंपा। दरअसल वह घर से स्कूल में मोबाइल लेकर आ गया था। चेकिंग के दौरान टीचर और दूसरे छात्रों को मोबाइल का पता चला तो वह घबरा गया और वहां से भाग गया। दो दिन तक वह इंदौर में घूमता रहा। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि छात्र को डर था कि अब शिक्षक और सहपाठी उसके माता-पिता को मोबाइल लाने की बात बता देंगे। इसके चलते वह घर नहीं गया।

इंदौर एयरपोर्ट पर चेहरा दिखाकर एंट्री, ट्रायल शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एयरपोर्ट पर डीजी यात्रा सेवा का ट्रायल शुरू हो गया है। इससे यात्रियों को बार-बार अलग अलग गेट पर टिकट, दस्तावेज दिखाने के झंझट से मुक्ति मिल रही है। कम्प्यूटरीकृत मशीनें चेहरा स्कैन कर खुद एंट्री आसान कर देगी। ट्रायल के दौरान प्रतिदिन करीब 500 यात्री इस सेवा का लाभ उठा कर टर्मिनल में प्रवेश कर रहे हैं। अगले महीने इस सुविधा की अधिकृत शुरुआत हो सकती है। इस तहर की सुविधा शुरू करने वाला इंदौर मप्र का पहला एयरपोर्ट होगा। अभी तक प्रदेश के दूसरे एयरपोर्ट पर यह सुविधा नहीं है। इस सेवा के लिए आधुनिक मशीन तीन माह पहले एयरपोर्ट पर इंस्टॉल हो चुकी थी, लेकिन उसे आपरेट करने के लिए दक्ष कर्मचारियों की जरुरत थी। अब उसकी भी व्यवस्था हो गई है। इंदौर एयरपोर्ट पर प्रतिदिन चार से छह हजार यात्री रोज आते हैं। फिलहाल नई सुविधा के माध्यम से पांच सौ यात्रियों को एंट्री दी जा रही है। भविष्य में यह सुविधा सभी यात्रियों के लिए रहेगी।

समय कम लगेगा

यात्रियों को एयरपोर्ट पर लगेज के साथ पहचान पत्र, टिकट सहित अन्य दस्तावेज बार-बार अलग अगल एंट्री गेट पर बताना होते है। इसमे समय भी लगता है। नई तकनीक फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (एफआरटी) पर आधारित है, जिसके माध्यम से एयरपोर्ट पर विभिन्न जांच स्थलों पर यात्री की उसके चेहरे से ही पहचान कर उसे प्रवेश दिया जाता है। यात्री गूगल प्ले स्टोर या आईओएस एप स्टोर से डिजी यात्रा एप डाउनलोड कर उसमें जानकारी फीड पर आईडी प्राप्त कर सकते है। जिसे टिकट बुक करने समय देना होगा। एयरलाइन कंपनी यात्री का नाम, डेटा एयरपोर्ट प्रबंधन के साथ शेयर कर देगी। इससे यात्रियों को दस्तावेज दिखाने से मुक्ती मिल जाएगी। जो यात्री लगातार विमान में यात्रा करते है। उनके लिए यह सुविधा ज्यादा फायदेमंद है।

फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी

एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि यह फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी (एफआरटी) पर आधारित तकनीक है। डिजी यात्रा का लक्ष्य एयरपोर्ट पर यात्रियों की निर्बाध और संपर्क रहित प्रवेश प्रक्रिया को बनाना है। इसके अतिरिक्त एयरपोर्ट पर विभिन्न जांच पांइट पर यात्री की उसके चेहरे से ही पहचान कर उसे प्रवेश दिया जाता है। इससे समय बच जाता है। गूगल प्ले स्टोर या आईओएस ऐप स्टोर से डिजी यात्रा ऐप डाउनलोड करने के बाद, यात्री नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और पहचान दस्तावेज (आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी आदि) जैसे विवरण साझा करके इस आईडी को प्राप्त कर सकेंगे। यह जानकारी दर्ज करने के बाद एक डिजी यात्रा आईडी बन जाएगी। इसे टिकट बुक करते समय साझा करना होगा। बदले में, एयरलाइन कंपनियां इस आईडी और यात्री डेटा को संबधित एयरपोर्ट के साथ साझा कर देगी। एयरपोर्ट के गेट पर आते ही डीजी यात्रा के प्रवेश गेट पर यात्री जैसे ही अपना पीएनआर डालेगा। उसके चेहरे को कैमरा कैप्चर कर लेगा और इसके बाद सीधे प्रवेश मिल जाएगा। यहां पर उसे दस्तावेज दिखाने से मुक्ति मिल जाएगी।

पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने लिखी सीएम को चिट्ठी

पातालपानी-बलवाड़ा रेल लाइन के लिए नहीं मिली जमीन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पातालपानी से बलवाड़ा तक नई रेल लाइन बिछाने का काम अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। इस ट्रैक में सुरंगों का निर्माण भी होना है, लेकिन अभी तक रेल विभाग को वन क्षेत्र में जमीन नहीं मिल पाई है। इसे लेकर पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि पालतापानी से बलवाड़ा तक जमीन पाने के लिए रेलवे ने विधिवत प्रक्रिया अपना कर कार्यवाही की है, लेकिन भोपाल में वन विभाग के अफसर अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे हैं। सुमित्रा महाजन ने कहा कि आगामी सिंहस्थ की दृष्टी से भक्तों की सुविधा के लिए उज्जैन से ओंकारेश्वर के लिए रेल नेटवर्क जरुरी है। यदि वन भूमि रेलवे को जल्दी नहीं मिलेगी तो यह काम तब तक पूरा नहीं हो पाएगा। सुमित्रा महाजन ने यह भी पत्र में लिखा कि आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने तक कम से कम रेलवे को टनल निर्माण की अनुमति तो दी जाए,क्योकि 21 टनलों का निर्माण होना है। ताई ने यह भी पत्र में लिखा कि ओंकारेश्वर रोड स्टेशन से ओंकारेश्वर तक रेल लाइन भी बिछाई जाना चाहिए। रेलवे द्वारा खाटू श्याम तीर्थ के लिए इस तहर की परियोजना स्वीकार की है।इस बारे में मैने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से भी अनुरोध किया है।

70 किलोमीटर हिस्से में बिछना है लाइन

महू-सनावद-खंडवा ब्राडगेज लाइन प्रोजेक्ट में 70 किलोमीटर लाइन बिछाई जाना है। इसकी प्लानिंग में पातालपानी से ट्रैक का अलाइनमेंट बदला गया है। इस प्रोजेक्ट में 21 सुरंगों का निर्माण होना है। नए अलाइनमेंट के हिसाब से पातालपानी से बेका, कुलथान, राजपुरा होते हुए ट्रेक चोरल, बलवाड़ा और मुख्तयारा तक बिछेगा। इस प्रोजेक्ट में ढाई सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे।

लव मैरिज के एक साल बाद 19 साल की लड़की ने किया सुसाइड

इंदौर। इंदौर के खजराना में रहने वाली एक 19 साल की लड़की ने सुसाइड कर लिया। बताया जाता है कि सुबह वह पति और भाई से हाथ-पैर में दर्द होने का कहकर कमरे में गई थी। इसके बाद दरवाजा लगाकर सो गई। पति जब देखने पहुंचा तो वह फंदे पर लटकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक धीरज नगर में रहने वाली शीतल पति प्रीतम राजपूत ने सोमवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पति प्रीतम ने बताया कि शीतल की तबीयत ठीक नहीं थी। वह उसके भाई बादल को सोने का कहते हुए कमरे में चली गई। प्रीतम ने बताया कि साले को और उसे काम पर जाना था। दोनों ने चावल बनाने रखे। करीब 12 बजे वह शीतल को आवाज लगाने कमरे में पहुंचा तो वह फंदे पर लटकी थी। तुरंत बादल को आवाज देकर बुलाया और फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर पहुंचे। प्रीतम के मुताबिक दोनों शाजापुर के पास के रहने वाले हैं। दोनों कई सालों से साथ काम कर रहे थे। इसके चलते एक साल पहले दोनों ने कोर्ट मैरिज कर लिया था।

कांग्रेस नेता मुकेश नायक आज श्रीराम पर देंगे व्याख्यान

इंदौर। मध्यप्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक मंगलवार को इंदौर आ रहे हैं। वे इंदौर के गांधी हॉल में व्याख्यान देंगे। व्याख्यान का विषय सनातन धर्म, संस्कृति और परम्परा के वाहक श्रीराम है। हालांकि गांधी हॉल में होने वाला यह व्याख्यान कार्यक्रम वैसे तो विचार मंच द्वारा कराया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके सियासी मायने खोजे जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इस कार्यक्रम की तैयारी कांग्रेस नेताओं खास तौर पर सज्जन सिंह वर्मा के कट्?टर समर्थकों ने अपने हाथ में ले रखी है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिये नायक सबके राम जैसा संदेश प्रसारित करेंगे। जिसमें पार्टी का खास मकसद नजर आ रहा है। कांग्रेस में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या अब कांग्रेस भी बीजेपी की राह पर चल पड़ी है? क्या यह कार्यक्रम कांग्रेस पर लगने वाले आरोपों के दाग धोने की कोशिश है? वहीं राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी पर तुष्टीकरण, हिन्दू विरोधी होने जैसे आरोप तो बीते तीन दशक से लग रहे हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराए जाने के बाद तो कांग्रेस पर सनातन धर्म विरोधी होने का ठप्पा और मजबूती से चस्पा कर दिया गया।

जलकर बकायादारों से 20 फीसदी भी वसूल नहीं कर सका नगर निगम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जलकर बकायादारों के खाते नियमित करने के उद्देश्य से शुरू की गई नगर निगम की वन टाइम सेटलमेंट योजना को बकायादारों का बहुत ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिला। योजना के तहत निगम ने 200 करोड़ रुपये राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 21 दिन चले अभियान में लगभग 35 करोड़ रुपये ही निगम को मिले। रविवार देर शाम तक नगर निगम के कैश काउंटरों पर बकाया जलकर जमा कराने वालों की भीड़ थी। रविवार को 4 करोड़ 85 लाख रुपये नकदी जमा हुए। देर शाम तक चेक की पोस्टिंग जारी थी। योजना समाप्त होने के बाद अब नगर निगम बकायादारों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करेगा।

निगम के दल अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर जल कर खातों की जांच करेंगे। बकायादारों के खिलाफ नल कनेक्शन विच्छेद करने के साथ-साथ बकाया रकम वसूलने की कार्रवाई की जाएगी। निगम बकायादारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई भी करेगा। वन टाइम सेटलमेंट योजना 5 अगस्त से शुरू होकर 24 अगस्त तक थी, लेकिन आमजन की सुविधा को देखते हुए इसे रविवार 25 अगस्त तक बढ़ा दिया गया था। शनिवार, रविवार को अवकाश होने के बावजूद नगर निगम कार्यालयों के कैश काउंटर खुले रखे गए ताकि आमजन बगैर किसी असुविधा के अपना बकाया जलकर का भुगतान कर सकें।

50 प्रतिशत की छूट दी गई थी

बकायादारों को यह सुविधा दी गई थी कि वे वर्ष 2022-23 तक के बकाया जलकर का 50 प्रतिशत भुगतान कर अपना खाता नियमित करवा लें। योजना की सफलता के लिए नगर निगम ने 100 से ज्यादा क्षेत्रों में विशेष अभियान भी चलाए थे। निगमायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने भी घर-घर पहुंचकर लोगों को जलकर खाता नियमित करने के लिए प्रेरित किया था।

अपर आयुक्त राजस्व एनएन पांडेय का कहना है कि रविवार को निगम को 4 करोड़ 85 लाख रुपये नकदी मिले। इसे मिलाकर 31 करोड़ रुपए योजना के तहत निगम को मिल चुके हैं। इसके अलावा चेक से मिले भुगतान की पोस्टिंग देर शाम तक जारी थी। इसे मिलाकर उम्मीद है कि हम 35 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच जाएंगे।

अब कट जाएगा नल कनेक्शन

महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि अब निगम बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगा। हमने इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। योजना के तहत सिर्फ 50 प्रतिशत भुगतान कर खाता नियमित करने का अवसर दिया गया था। अब योजना समाप्त होने के बाद निगम बकायादारों के जल कनेक्शन विच्छेद करने, बकाया राशि वसूलने और एफआईआर दर्ज कराने जैसी कार्रवाई करेगा।

पुलिस मुख्यालय से चला ऑनलाइन भुगतान स्वीकारने का आदेश बना मुसीबत

यहां पेट्रोल डालने के बाद नहीं लेते नकद रुपए, वाहन चालक परेशान

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के एक पेट्रोल पर पंप पर आने वाले वाहन चालकों के लिए पुलिस मुख्याल का आदेश मुसीबत बना हुआ है। दरअसल, यहां नकद राशि लेने के बजाय ऑनलाइन पेमेंट ही लिया जाता है।ताजा हालात में यहां ग्राहकों को ऑनलाइन पेमेंट की बाध्यता आयद कर दी गई। नकद पेमेंट का यहां कोई विकल्प ही मौजूद नहीं है।

यह हालात हैं राजधानी के मध्य स्थित पुलिस पेट्रोल पंप के हैं। सूत्रों का कहना है कि पुलिस मुख्यालय से चले एक आदेश के तहत यहां नगद भुगतान की सुविधा समाप्त कर दी गई है। यहां आने वाले ग्राहकों से महज ऑनलाइन पेमेंट ही स्वीकार किया जा रहा है। बाध्यता का आलम यह है कि यदि किसी नगद भुगतान के ग्राहक का कोई दूसरा व्यक्ति ऑनलाइन पेमेंट करना चाहे तो भी स्वीकार्य नहीं है। मतलब जिस वाहन में पेट्रोल/डीजल डाला गया है, भुगतान भी उसी वाहन मालिक को अपने मोबाइल या कार्ड से करना होगा।

बैटरी खत्म होने की समस्या भी डालती है परेशानी में

सूत्रों का कहना है कि पेट्रोल पंप पर पहुंचने वाले ग्राहकों में अब भी अधिकांश लोग ऐसे हैं, जो ऑनलाइन पेमेंट का उपयोग नहीं करते हैं। मोबाइल या कार्ड से पेमेंट करना इन्हें आता नहीं है या यह इस व्यवस्था को सुरक्षित नहीं मानते हैं। पेट्रोल/डीजल ग्राहकों में ऐसे भी लोग शामिल होते हैं, जो ऑनलाइन पेमेंट की व्यवस्था से जुड़े होने के बावजूद समय पर उनके बैंक खाते में आवश्यकतानुसार राशि मौजूद नहीं होती है। डेबिट कार्ड साथ न होने, मोबाइल की बैटरी खत्म होने, समय पर मोबाइल डेटा या नेटवर्क उपलब्ध न होने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। जिनके चलते ग्राहक को ऑनलाइन पेमेंट करने में आसानी नहीं लगती है। इसके बदले वह अपनी खरीदी का नगद भुगतान करना चाहता है।

जिन्हें नहीं पता, उन्हें लगाना पड़ता है लंबा चक्कर

लाल परेड ग्राउंड पर स्थित पुलिस पेट्रोल पंप से अन्य पेट्रोल टैंक की दूरी लंबी है। इसके सबसे करीब वाला पेट्रोल पंप यहां से करीब 1.2 किलोमीटर दूर चिकलोद रोड पर है, जबकि इसकी विपरीत दिशा में स्थित पेट्रोल पंप न्यू मार्केट में है, जिसकी दूरी करीब 2.5 किलोमीटर है। पुलिस पेट्रोल पंप पहुंचे वाहन चालक के दो या चार पहिया वाहन में पेट्रोल खत्म है तो उसे अपनी जरूरत पूरी करने के लिए लंबा सफर गाड़ी को धक्का लगाकर पूरा करना होगा।

आदेश भी चस्पा नहीं किया

सूत्रों का कहना है कि पुलिस मुख्यालय से इस पंप पर पहुंचे आदेश की कोई कॉपी चस्पा नहीं की गई है।

इंदौर-उज्जैन संभाग में भारी बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश का दौर जारी है। सोमवार को भी कई जिलों में सुबह से ही बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने उज्जैन इंदौर संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा भी कई अन्य जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। राजधानी भोपाल में सुबह हल्की बारिश हुई, इससे पहले रात भर बारिश का दौर जारी रहा। इधर, बारिश के कारण नर्मदा नदी उफान पर है। इंदिरासागर और बरगी डैम के गेट खोलकर पानी निकला जा रहा है। सोमवार को भोपाल के भदभदा डैम का एक और कलियासोत डैम के 2 गेट खोले गए हैं। रविवार को भदभदा के 3 और कलियासोत डैम के 6 गेट खोले गए थे।

मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार अगले 24 घंटे के अंदर अलीराजपुर, झाबुआ और धार में भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। यहां 8 इंच तक पानी गिर सकता है। बड़वानी, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, मंदसौर, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, पन्ना और छतरपुर में भारी बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इधर, रविवार को भोपाल में हो रही तेज बारिश से कई कॉलोनी के घरों में पानी भर गया है। इन इलाकों में सड़कों पर बोट चलाना पड़ी।

यहां भी बारिश की संभावना

मध्य प्रदेश मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है जिसके अनुसार श्योपुर, शिवपुरी, उत्तरी टीकमगढ़, छतरपुर खजुराहो, मऊगंज, राजगढ़, आगर, सीहोर, देवास, मंदसौर और बड़वानी बावनगजा में बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। भिंड, मुरैना में बिजली के साथ मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। दतिया रतनगढ़, दक्षिण ग्वालियर, निवाड़ी ओरछा, दक्षिण टीकमगढ़, पन्ना, सतना चित्रकूट, शाजापुर, दक्षिण भोपाल, गुना, अशोकनगर, दमोह, नीमच, जबलपुर, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, इंदौर, अलीराजपुर, सिंगरौली, झाबुआ, धार मांडू, उज्जैन और रतलाम के साथ-साथ उत्तरी ग्वालियर, उत्तरी भोपाल, विदिशा, रायसेन, हरदा में बिजली के साथ हल्की आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, अनुपपुर अमरकंटक, मंडला, नर्मदापुरम पचमढ़ी, नरसिंहपुर, कटनी, मैहर, सीधी, रीवा, उमरिया, शहडोल और सीधी रात में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों पर बना सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र पश्चिम की ओर बढ़ते हुए अबदाव में तब्दील हो गया। रविवार सुबह की स्थिति में उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में गुना के पास व कोटा (पूर्वी राजस्थान) से 160 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित हो गया है। इसके 27 अगस्त तक आगे बढ़कर दक्षिण राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात पर एक गहरे अबदाव में तब्दील होने की संभावना है।

उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण बांग्लादेश और पड़ोस में मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैल गया है।

इसके प्रभाव में, अगले 24 घंटों के दौरान उसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने और अगले 2 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा और झारखंड में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। मानसून की द्रोणिका अब जैसलमेर, कोटा, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश, डाल्टनगंज, दीघा पर अवदाब के केंद्र से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व की ओर गुजर रही है। वहीं, दक्षिण गुजरात से दक्षिण केरल तट तक अपतटीय द्रोणिका बनी हुई है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर और उससे लगे पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दोनों राज्य सरकारों को भीषण आपदा में दी राहत

सीएम यादव ने केरल और त्रिपुरा को दी 20-20 करोड़ की मदद

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने केरल और त्रिपुरा में आई बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए दोनों राज्यों को 20-20 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने का एलान किया है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में मध्य प्रदेश की जनता इन राज्यों के साथ खड़ी है। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त की हैं।

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। मध्य प्रदेश के कुछ इलाके भी इससे अछूते नहीं रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान केरल और त्रिपुरा में हुआ है। इन राज्यों में जान-माल दोनों का भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मेरे द्वारा मध्य प्रदेश सरकार की ओर से 20-20 करोड़ रुपए त्रिपुरा और केरल की राज्य सरकारों को भीषण आपदा में राहत प्रदान करने हेतु जारी करने का निर्णय लिया गया है। संकट की इस घड़ी में मध्य प्रदेश सरकार दोनों राज्यों के साथ है, आपदा प्रभावित लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। भगवान श्री कृष्ण से जल्द ही इस संकट को दूर करने की प्रार्थना करता हूं।

पुनर्वास कार्यों में मिलेगी मदद

भारी बारिश और भूस्खलन ने केरल और त्रिपुरा में भारी तबाही मचाई है। मध्य प्रदेश द्वारा दी जाने वाली यह आर्थिक मदद इन राज्यों को राहत और पुनर्वास कार्यों में मदद करेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद भी प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर जाकर जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हो रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे जन्माष्टमी का त्योहार सादगी और भाईचारे के साथ मनाएं।

सीएम ने एक्स पर भी लिखा कि देश में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्य भीषण वर्षा, बाढ़ एवं भूस्खलन से प्रभावित हैं।

बड़े-छोटे शहर सहित गांव की महिलाओं को भी इस आंदोलन से जोड़कर तैयार किया जा रहा सरकार को घेरने का प्लान

महिलाओं को न्याय दिलाने महिला कांग्रेस चलाएगी नारी न्याय आंदोलन

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश कांग्रेस पार्टी लगातार प्रदर्शन और आंदोलन कर रही है वहीं अब महिला कांग्रेस भी आगे गई है। सभी सदस्यों द्वारा महिलाओं की समस्याओं के चलते मध्य प्रदेश में अब नारी न्याय आंदोलन पूरी ताकत से गांव-गांव तक चलाया जाएगा।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष विभा पटेल और संगीता शर्मा ने पीसीसी में सोमवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में देश और मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों में लगातार वृद्धि होना शर्मनाक और बेहद चिंताजनक हैं। कई मामलों में सामने आया है कि भाजपा के कार्यकर्ता महिलाओं या नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में शामिल होना पाए गए हैं, लेकिन सत्ताधारी पार्टी से जुड़े होने के कारण वे कानून के सिकंजे से बच जाते हैं। ऐसे कई मामलों में पीड़िता या उसका परिवार सत्ता पक्ष के डर से पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाता है। इतना ही नहीं बेलगाम महंगाई ने महिलाओं की कमर तोड़ दी है, जिससे रसोई से लेकर घर-गृहस्थी के अन्य कामों में जिसका सीधा असर महिलाओं पर ही पड़ रहा है, जिससे परिवार चलाना और जीवन यापन करना मुश्किल हो गया है, महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन भी नहीं मिल रहा। पौष्टिक आहार व स्वच्छता की कमी से वे बीमार पड़ रहीं हैं। बावजूद इसके सरकारी अस्पतालों में महिला रोग विशेषज्ञ, चिकित्सक ही उपलब्ध नहीं है। विभा पटेल ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं के चलते मध्य प्रदेश में अब नारी न्याय आंदोलन पूरी ताकत से गांव-गांव तक चलाया जाएगा।

शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी जाने की तैयारी

विभा पटेल ने बताया कि इसकी शुरूआत अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने गत 29 जुलाई 2024 को नई दिल्ली के जंतर-मंतर से कर दी हैं, मध्य प्रदेश में इसका विस्तार शहरी और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं तक किया जायेगा। जिसका उद्देश्य आधी आबादी (महिलाओं) के लिए हक मांगना है। साथ ही महिला आरक्षण, जातीय जनगणना, बढ़ती महंगाई और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दों को लेकर जन जागरण भी चलाया जायेगा। अभियान में समान वेतन, बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता, लाड़ली बहनों को मुफ्त में कॉलेज तक शिक्षा और महिलाओं की सुरक्षा के लिए आवाज उठाई जाएगी।

बेलगाम महंगाई के खिलाफ आंदोलन

पटेल ने कहा कि महिलाओं को इस आंदोलन में जोड़ने के लिए जिला, ब्लाक, बूथ स्तर पर महिलाओं को जोड़कर, महिला अपराध, बेलगाम महंगाई के खिलाफ ह्यह्यनारी न्याय आंदोलन चलाकर महिलाओं को न्याय दिलाने और उनके हक के लिए प्रदेश की कुंभकर्णी नींद में सोयी सरकार को जगाने का काम किया जायेगा।

16 जिलों में घर-घर पहुंचेगा अधिकृत मीटर रीडर, सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में होगी आसानी

अब बिजली उपभोक्ताओं के लिए केवायसी जरूरी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए केवाईसी (नो योर कंज्यूमर) विवरण अपडेट करने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभियान भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल समेत 16 जिलों में चलाया जाएगा। इस कवायद का मकसद ग्राहकों के रिकॉर्ड को अपडेट करना और आधार कार्ड से जोड़कर उनकी प्रोफाइल को बेहतर ढंग से समझना है। अपडेटेड डेटाबेस सभी सरकारी योजनाओं, विशेष रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने में मददगार साबित होगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, डिस्कॉम अधिकृत मीटर रीडर को उपभोक्ताओं के घर भेजेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि केवाईसी प्रक्रिया में बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे आधार

कार्ड, मोबाइल नंबर और बैंक खाते का विवरण अपडेट किया जाएगा।

सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा

भविष्य में इस सुविधा से वास्तविक उपभोक्ताओं के कनेक्शन और उनकी लोड स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित होगा। इससे विद्युत संरचना के विस्तार के लिए भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यह उपभोक्ताओं की सही पहचान और उनके मोबाइल नंबरों को सटीक रूप से टैग करने में मदद करेगा, जिससे सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा।

यह होगी प्रक्रिया

केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, कंपनी का एक अधिकृत मीटर रीडर, कंपनी की फोटो आईडी के साथ, उपभोक्ता के घर जाएगा।

मीटर रीडर पीओएस मशीन पर निष्ठा ऐप का उपयोग करके केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करेगा। मीटर रीडर उपभोक्ता से उनकी आधार आईडी मांगेगा और इसकी पुष्टि व्यापक डेटाबेस में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी के माध्यम से की जाएगी।

बिजली बिल में 0.5 प्रतिशत की हो सकती है वृद्धि

इस महीने, बिजली बिल में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिलेगी। यह वृद्धि ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) के कारण हुई है, जो 24 अगस्त से 23 सितंबर के बीच की अवधि के लिए 0.29 प्रतिशत है। 24 जुलाई से 23 अगस्त के बीच की पिछली अवधि के लिए समान एफपीपीएएस - 0.21 प्रतिशत था। 24 अगस्त से शुरू हो रही वर्तमान अवधि के लिए प्रभावी वृद्धि, इस वित्तीय वर्ष के लिए नियामक द्वारा निर्धारित टैरिफ के अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत आंकी गई है

स्कूल-कालेजों में भी नजर आई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम, शासकीय रानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स कॉलेज में उत्साह के साथ मनाया पर्व

कान्हा को लुभाने निकलीं गोपियां, दिखाए नृत्य के कई रंग

सिटी चीफ भोपाल।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव प्रदेश में पहली बार भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। सीएम डॉ. मोहन यादव की मंशा और आदेशानुसार स्कूल कालेजों में भी पर्व की धूम सुनाई दी। राजधानी के शासकीय रानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स कॉलेज में भी यह अवसर बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा यहां बिखरी। बेस्ट परफॉर्म करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम को सूत्र में बांधने की भूमिका डॉ भारती जैन, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव और डॉ सीमा रायजादा ने निभाई। इनके नेतृत्व में छात्राओं ने गोपी और कृष्ण की वेशभूषा में विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। नृत्य कार्यक्रम शुरू हुआ तो किस्सा श्रीकृष्ण लीला तक सीमित नहीं रहा, यह आगे बढ़ता हुआ भांगड़ा और गिद्दा तक भी पहुंचा। भारतीय संस्कृति के इन रंगों ने सारी महफिल को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मुकेश अग्रवाल और डॉ रोली ने दीप प्रज्वलित किया और मां सरस्वती की वंदना की।

मनमोहक प्रस्तुतियां देने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर उनकी हौसला अफजाई की गई। इस दौरान समूह नृत्य के लिए प्रथम स्थान सुहानी ठाकुर और अदिति ने पाया। जबकि दूसरे पायदान पर पल्लवी, त्रिज्जला और तनिषा पहुंची। इसी तरह तृतीय पुरस्कार की हकदार प्रगति और तनु सेन बनीं। कार्यक्रम के दौरान गोपी का किरदार निभाने वाली साक्षी साहू, वैष्णवी धाकड़ और विनिता भी पुरस्कार से नवाजा गईं। शासकीय रानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अग्रवाल ने कहा कि पर्व हमारे जीवन का अंग हैं और यह हमारे देश की अमिट संस्कृति भी हैं। इन्हीं के रंगों से हमारा जीवन खुशनुमा और मोहक बना हुआ है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि हमारा कॉलेज जीवन के हर रंग की गहराई तक महसूस करने के लिए हमेशा हर छोटे बड़े अवसर पर आयोजन करता रहा है। यह भी शिक्षा का ही एक रूप है। इस पाठ को पढ़कर ही कोई स्टूडेंट संपूर्णता और संतुष्टि की प्राप्ति कर सकता है।

सम्पादकीय

भारत-विरोधी लगते हैं नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के घोषणापत्र

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर की दो मुख्य पार्टियों, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपना घोषणापत्र भी जारी कर दिया है। चुनाव में सबसे ज्यादा आर्टिकल 370 और एलओसी ट्रेड पर बात हो रही है। जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी दोनों ने ही अपने घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की बहाली का वादा किया है वहीं बीजेपी इस मसले पर इन पार्टियों के साथ ही कांग्रेस को भी घेर रही है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर की दो मुख्य पार्टियों, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपना घोषणापत्र भी जारी कर दिया है। चुनाव में सबसे ज्यादा आर्टिकल 370 और एलओसी ट्रेड पर बात हो रही है। जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी दोनों ने ही अपने घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की बहाली का वादा किया है वहीं बीजेपी इस मसले पर इन पार्टियों के साथ ही कांग्रेस को भी घेर रही है। पीडीपी ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि आर्टिकल 370 को बहाल करने के लिए काम करेंगे। साथ ही पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि मैं केंद्रीय गृह मंत्री से अनुरोध करती हूं कि एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) के आर पार व्यापार फिर से शुरू करें। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भी ये वादे किए हैं। बीजेपी की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 कभी बहाल नहीं किया जाएगा। बीजेपी ने कांग्रेस से भी सवाल पूछा है कि वह आर्टिकल 370 को लेकर क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र से सहमत हैं। क्योंकि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबंधन का ऐलान किया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में आर्टिकल 370 का जिक्र होगा या नहीं, यह देखना होगा।

दरअसल जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपने जो घोषणा-पत्र जारी किए हैं, वो बुनियादी तौर पर भारत-विरोधी लगते हैं। 1950 के दशक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और शेख अब्दुल्ला की अपनी-अपनी लड़ाइयां और सियासत थी। शेख अब्दुल्ला कश्मीर को 'इस्लामी सूबा' बनाने पर आमादा थे। उन्हें प्रधानमंत्री का दर्जा हासिल था। श्यामा प्रसाद ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था के लिए संघर्ष किया। उनकी रहस्यमयी मौत आज भी एक सवाल है। अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से पहले जम्मू-कश्मीर का अपना 'झंडा' था, अपना 'संविधान' था। कश्मीर में सर्वोच्च अदालत के फैसले भी लागू नहीं होते थे। भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी निष्प्रभावी थीं। विधानसभा का कार्यकाल 6 साल होता था। रक्षा, विदेश, वित्त आदि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन थे, लेकिन उनके अलावा कश्मीर के कानून और व्यवस्थाएं भिन्न थीं। आर्थिक संसाधनों और बजट के लिए जम्मू-कश्मीर भारत सरकार के सहारे ही था। सवाल होते रहते थे कि एक ही राष्ट्र में कश्मीर को यह 'विशेष दर्जा' क्यों हासिल है? दो-दो व्यवस्थाएं कैसे काम कर सकती हैं? मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अनुच्छेद 370, 35-ए की बहाली का आश्वासन दिया है। जम्मू-कश्मीर के 'अलग झंडे' की बात कही गई है। ऐसा है, तो आने वाली विधानसभा में 'अलग संविधान' का प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। इसके लिए दलीलें दी जाती रही हैं कि विलय के समझौता-पत्र में उल्लेख था कि कश्मीर का अपना 'अलग झंडा' और 'अलग संविधान' होगा। ये दलीलें कुतर्क हैं, क्योंकि विलय-पत्र में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सियासतदानों को जरा पढ़ लेना चाहिए। बहरहाल पत्थरबाजों की दोबारा सरकारी नौकरी में बहाली होगी और जेल से सियासी कैदियों की रिहाई की जाएगी। ऐसे कैदियों को माफ भी किया जा सकता है। पाकिस्तान से सटी नियंत्रण रेखा पर कारोबार की नई शुरुआत के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ बातचीत और जनसंपर्क भी शुरू किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सोच के स्तर पर पाकपरस्त रही हैं, लेकिन सवाल है कि क्या एक विधानसभा ऐसे मुद्दों को पारित कर सकती है? विदेश और रक्षा नीतियां केंद्र सरकार तय करेगी अथवा संघशासित क्षेत्र की विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है? भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किया था और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे उचित, संवैधानिक निर्णय माना था। तो विधानसभा चुनाव में पार्टियां इनकी बहाली और विशेष दर्जे की वापसी का वायदा कैसे कर सकती हैं? यह सवाल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था। उनका जवाब था कि आने वाली सर्वोच्च अदालत में कश्मीर की बुनियादी सोच वाले न्यायाधीश भी आ सकते हैं! केंद्र में मौजूदा सरकार की विदाई हो सकती है तथा विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बन सकती है! हमने जम्मू-कश्मीर के अवाम को आश्वस्त किया है कि तब तक हम इंतजार करेंगे, लेकिन लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। एक घोषणा-पत्र में कहा गया है कि शंकराचार्य के पर्वत का इस्लामी नाम तख्त-ए-सुलिमान रखा जाएगा। क्या कश्मीर को एक बार फिर इस्लामिक बनाने के मंसूबे हैं? नेशनल कॉन्फ्रेंस तो शेख अब्दुल्ला की ही विरासत है, लिहाजा उनकी सियासत भी वही होगी।

रेप के आरोपियों को चुनाव में टिकट क्यों?

राजनीतिक दलों को घोषणा करनी चाहिए कि वे आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों पर विचार नहीं करेंगे। उन्हें आगे बढ़कर यह संदेश देना चाहिए कि जब वे 'नारी शक्ति (भाजपा) और 'नारी न्याय' (कांग्रेस) जैसे नारे गढ़ते हैं, तो उनका मतलब होता है कि वे काम कर रहे हैं। उन्हें पुलिस को निजी बैसाखी के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय लंबे समय से लंबित पुलिस सुधारों को तुरंत लागू करना चाहिए। राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि महिलाएं अब आकांक्षी भारत का हिस्सा हैं। वे मनोवृत्ति परिवर्तन का भी प्रतीक हैं और यदि वे आगे बढ़ रही हैं, तो उन्हें 'रेवड़ियों' द्वारा विचलित नहीं किया जाएगा जिसमें मुफ्त बस यात्रा और सस्ते गैस सिलेंडर शामिल हैं।

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर की हत्या और महाराष्ट्र में बालवाड़ी की लड़कियों का यौन शोषण महिलाओं के खिलाफ अपराधों की कड़ी में ताजा घटनाएं हैं। नए कानूनों और आंदोलनों के बावजूद, देश में बलात्कार के मामलों में कोई कमी नहीं आई। राजनेताओं को इस मुद्दे पर कठोर सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

अपने इकलौते बच्चे को खो देने वाले परिवार की स्थिति में खुद को रखकर देखने की कोशिश करें। उनकी बेटी, जो कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की एक डॉक्टर थी, मरने की हकदार नहीं थी। वह निश्चित रूप से बलात्कार, क्रूरता और फिर राजनीतिकरण की हकदार नहीं थी। कोई भी महिला - या बच्ची - नहीं चाहती कि उसके शरीर को वस्तु के रूप में देखा जाए। कोई भी माता-पिता अपनी बेटी की सुरक्षा के बारे में चिंता नहीं करना चाहते।

कोई भी माता-पिता ध्यान इस तरह के अपराध को लेकर ध्यान आकर्षित करने और न्याय के लिए लड़ाई का दुखद अंत नहीं चाहते हैं। वास्तव में, किसी भी परिवार को एक भद्दे राजनीतिक कुश्ती के दर्द को सहने की जरूरत नहीं है। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या, और महाराष्ट्र में बालवाड़ी की लड़कियों का यौन शोषण महिलाओं के खिलाफ अपराधों की एक लंबी सूची में सिर्फ हालिया झटके हैं।

सच तो यह है कि हमारी आजादी के 78वें वर्ष में भी हम महिलाओं के खिलाफ भयावह अपराध दर से निपटने में असमर्थ रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि 'रात को पुनः प्राप्त करें' जैसे मुखर आंदोलनों या भारत की राजधानी के केंद्र में एक फिजियोथेरापिस्ट के साथ 2012 के सामूहिक बलात्कार के बाद आक्रोश की झड़ी लगने के बावजूद, हम एक पूर्वाग्रही राजनीतिक लेंस के माध्यम से बलात्कार का जवाब देते हैं। हमने सोचा था कि शायद हमने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को बलात्कार की परिभाषा और सजा की समीक्षा के लिए एक समिति स्थापित करने के लिए मजबूर करने के बाद 2013 में एक नया कानून प्राप्त करके एक मील का पत्थर हासिल कर लिया है। हमने यह भी सोचा था कि हमने फिजियोथेरापिस्ट का नाम 'निर्भया' रखकर अपना सम्मान दिया है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? क्या माता-पिता वास्तव में महाकाव्य के साथ जीना चाहते हैं?

क्या हम, एक समाज के रूप में, सबसे क्रूर अपराधों का जवाब आवधिक क्रोध दिखाकर देना चाहते हैं? यह समय है, वास्तव में, बलात्कार के लिए जीरो टॉलरेंस घोषित करने और राजनेताओं से कठिन प्रश्न पूछने का। प्रश्न तत्काल और आवश्यक हैं क्योंकि आंकड़े हमें बताते हैं कि भारत में हर दिन 86 महिलाओं के साथ बलात्कार होता है। यह संख्या केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत रखे गए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो से ली गई है। इस संख्या से हमें अपनी नींद से उठ जाना चाहिए। पहली चीज जो हमें करने की जरूरत है, वह है हमारे राजनीतिक नेताओं से सवाल करना जो किसी राज्य में बलात्कार होने पर विपक्षी दलों पर बढ़त हासिल करने की कोशिश करते हैं, जहां वे सत्ता में नहीं होते हैं।

उदाहरण के लिए, बीजेपी ममता बनर्जी से इस्तीफा कैसे मांग सकती है, जबकि बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार के दोषियों को माफी दिलाने में बीजेपी ने ही मदद की थी? कठुआ में नाबालिग के साथ बलात्कार के बाद बलात्कारियों के साथ एकजुटता दिखाने वाली वही पार्टी अब कैसे उन पर उंगली उठा सकती है? वास्तव में, केंद्र सरकार मणिपुर में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने की भयावह घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए कांग्रेस शासित राज्यों में बलात्कार की बात कैसे कर सकती है? इसी तरह, एक महिला मुख्यमंत्री ममता अपने ही एक राजनीतिक सहयोगी को कैसे बचा सकती हैं, जो संदेशखली में महिलाओं को प्रताड़ित कर रहा था? यह आश्चर्यजनक है कि ममता ने हाल ही में बलात्कार और हत्या के बाद विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने की कोशिश की, जबकि मुख्यमंत्री के रूप में उनके पास गृह और स्वास्थ्य विभाग भी हैं।

ममता बनर्जी वाली शायद एकमात्र ऐसी सरकार हैं जो वास्तव में महिला उम्मीदवारों को चुनाव जीतने और विधायक बनने का मौका दे रही हैं। हालांकि, पश्चिम बंगाल उन राज्यों में भी सबसे आगे है जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बात चुनाव आयोग को दिए अपने हलफनामों में स्वीकार करने वाले सांसदों और विधायकों की अधिकतम संख्या है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है। चुनाव अधिकार संस्था एडीआर की एक हालिया रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। 151 सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों को स्वीकार किया है। इन मामलों में यौन उत्पीड़न से लेकर बलात्कार तक शामिल हैं। एडीआर ने 2019 से 2024 के बीच चुनावों के दौरान सांसदों और विधायकों की तरफ से जमा किए गए 4,693 हलफनामों का विश्लेषण किया। पश्चिम बंगाल 25 विधायकों और सांसदों के साथ सबसे आगे है, जबकि आंध्रप्रदेश 17 विधायकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

एडीआर रिपोर्ट यह भी उजागर करती है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कार के आरोपों का सामना करने वाले 16 मौजूदा सांसद हैं। तब सवाल यह है कि कब राजनीतिक दल यह महसूस करेंगे कि उन्हें जघन्य आरोपों का सामना कर रहे प्रतियोगियों को मैदान में नहीं उतारना चाहिए? यदि हमारा राजनीतिक वर्ग वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उनके योग्य सम्मान देने के प्रति गंभीर है, तो उनके चुनाव वॉर रूम केवल जीत पर ही क्यों ध्यान देते हैं? राजनीतिक वेदी पर महिलाओं की क्यों बलि दी जाती है? आइए हम एडीआर के महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे लोगों के विश्लेषण पर भी एक नजर डालें। भाजपा 54 सांसदों और विधायकों के साथ आगे है। उसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) 17 विधायक और सांसद हैं।

अगर राजनीतिक दल वाकई महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के मुद्दे को सुलझाना चाहते हैं, तो उन्हें एकजुट होना चाहिए। राजनीतिक दलों को घोषणा करनी चाहिए कि वे आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों पर विचार नहीं करेंगे। उन्हें आगे बढ़कर यह संदेश देना चाहिए कि जब वे 'नारी शक्ति (भाजपा) और 'नारी न्याय' (कांग्रेस) जैसे नारे गढ़ते हैं, तो उनका मतलब होता है कि वे काम कर रहे हैं। उन्हें पुलिस को निजी बैसाखी के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय लंबे समय से लंबित पुलिस सुधारों को तुरंत लागू करना चाहिए। राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि महिलाएं अब आकांक्षी भारत का हिस्सा हैं। वे मनोवृत्ति परिवर्तन का भी प्रतीक हैं और यदि वे आगे बढ़ रही हैं, तो उन्हें 'रेवड़ियों' द्वारा विचलित नहीं किया जाएगा जिसमें मुफ्त बस यात्रा और सस्ते गैस सिलेंडर शामिल हैं।

कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट के पेरिस से लौटने पर मिली प्रतिक्रिया एक अनुस्मारक के रूप में काम करती है कि खाप पंचायतें भी, जो कभी महिलाओं को घर के अंदर रखना चाहती थीं, अपने 'छोरियों' (लड़कियों) को सशक्त बनाने के विचार के अनुरूप हो रही हैं। कोलकाता के अस्पताल से बह निकला दुख, जहां एक आकांक्षी डॉक्टर के सपनों को छोटा कर दिया गया, एक समान रूप से शक्तिशाली वेकअप कॉल है। यह एक स्पष्ट दिशा में इंगित कर रहा है। यह एक ऐसी नीति की मांग कर रहा है जो महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए जीरो टॉलरेंस की मांग करती है। बुद्धिमान इसे सुनेंगे और मूर्ख इसे अनदेखा कर सकते हैं, लेकिन वे अपने ही जोखिम पर ऐसा करेंगे।

भारतीय परिवारों को निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है कि वे अपने बेटों को कैसे बड़ा करते हैं, लेकिन कोलकाता के भयावह घटना के बाद हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन स्पष्ट करते हैं कि समाज भी बदल रहा है। पुरुष बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। माता-पिता भी अपनी बेटियों के लिए सुरक्षित स्थानों की मांग कर रहे हैं। एक समय था जब पीड़ितों को उनके अपने परिवारों द्वारा 'मान' के नाम पर चुप रहने के लिए मजबूर किया जाता था। अब अधिक से अधिक परिवार न्याय की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। यदि राजनेता सुन रहे हैं, तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि 'तुम्हारा रेप बनाम हमारा' एक ऐसा तर्क है जो केवल सार्वजनिक आक्रोश में और अधिक ईंधन जोड़ेगा।

यूक्रेन युद्ध पर किस ओर खड़ा है भारत?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ दिनों पहले पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर गए थे। इसे यूरोपीय देशों के साथ व्यापक रिश्ते बनाने के लिहाज से निर्णायक कदम माना गया। इसकी सराहना भी हुई। यूक्रेन यात्रा पर मोदी ऐसे वक्त गए, जब भारत के सहयोगी रूस के साथ उसका युद्ध चल रहा है। मोदी की पोलैंड यात्रा भी ऐतिहासिक रही। वे पिछले 45 वर्षों में इस देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस दौरान संबंधित देशों के साथ कई सहमतियां बनीं, जिनसे व्यापारिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ेगी और इससे भारत का मध्य यूरोपीय देशों में प्रभाव भी बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री पोलैंड से 10 घंटे की ट्रेन से यात्रा करके कीव पहुंचे। एक महीने पहले ही वे मॉस्को की यात्रा पर गए थे, जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से उनकी मुलाकात हुई थी। कीव में मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक की। इसमें भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए जेलेंस्की को सीधे रूस से बातचीत करनी चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने कहा कि इस युद्ध को रुकवाने में भारत अहम भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, जेलेंस्की ने 8 जुलाई को मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना की थी। तब मोदी और पूतिन की एक दूसरे को गले लगाते हुए फोटो आई थी, जबकि उससे कुछ ही घंटे पहले रूस के एक मिसाइल अटैक से कीव में बच्चों के अस्पताल को नुकसान पहुंचा था और उसमें दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर आई थी। हालांकि, मोदी की यूक्रेन यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने संयमित रवैया अपनाया।

मोदी ने खुद को वहां एक ऐसे निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में पेश किया, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय में प्रभाव रखते हैं। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वे पूतिन के साथ बातचीत करें। मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने पूतिन से भी यही अपील की है। भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि भारत शांति स्थापित करने के लिए किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। मोदी ने कहा, मैं चाहता हूं कि हम सब जल्द से जल्द शांति का सूरज उदय होते हुए देखें।

रूस (पहले सोवियत संघ) भारत का 50 वर्षों से भरोसेमंद सहयोगी रहा है। कश्मीर सहित कई विवादित मुद्दों पर उसने अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत का समर्थन किया है। आज भी भारत सालाना करीब 45त्न डिफेंस हार्डवेयर का आयात रूस से करता है और उसी की तकनीक की मदद से हमारे कोई 85त्न हथियार बने हुए हैं। इस लिहाज से भी रूस भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है।

9 जुलाई को मॉस्को में मोदी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, जब भी रूस शब्द सुनते हैं तो मन में यही भाव आता है कि वह और भारत एक दूसरे के सुख-दुख के साथी और भरोसेमंद दोस्त हैं। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रपति पूतिन को यह भी याद दिलाया कि चाहे युद्ध हो, कोई संघर्ष या आतंकवादी हमला, कोई भी व्यक्ति जो मानवता में यकीन रखता है, उसे लोगों की जान जाने का दुख होता है। मोदी ने यह भी कहा, उसमें भी, अगर निर्दोष बच्चों की जान जाती है तो दिल से खून रिसता है और बहुत ही दर्द होता है।

भारत ने रूस की बलपूर्वक अंतरराष्ट्रीय सीमा को बदलने की कोशिशों का विरोध किया है, चाहे वह क्राइमिया का मामला हो या यूक्रेन के साथ मौजूदा युद्ध का। इस युद्ध के दौरान भी रूस ने यूक्रेन के करीब 18त्न इलाके पर कब्जा किया हुआ है। अंतरराष्ट्रीय विवादों को हल करने के लिए मोदी डिप्लोमेसी की वकालत करते रहे हैं। 2022 के शंघाई को-ऑपरेशन समिट में भी उन्होंने पूतिन से कहा था, यह युद्ध का दौर नहीं है। मोदी के इस बयान की उसके बाद से अकसर चर्चा होती रही है।

खैर, प्रधानमंत्री की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा के दौरान ऐसी कई अहम बातों पर ध्यान गया है, जिससे इस युद्ध में भारत के नजरिये को समझा जा सकता है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि भारत शांति चाहता है। वह इसके लिए जेलेंस्की और पूतिन की वार्ता की खातिर हरसंभव मदद करने को तैयार है। ग्लोबल साउथ का भारत लीडर है। इस बात को राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी मोदी की इस यात्रा के दौरान माना। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की काफी सराहना हुई है। इस यात्रा के दौरान भी भारत ने किसी देश का पक्ष नहीं लिया और ऐसी ही उनसे उम्मीद भी की जा रही थी। भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के अपने निर्णय का भी जोरदार ढंग से बचाव किया, जिसकी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आलोचना की थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रूस से तेल की खरीद एक व्यावसायिक फैसला है, उसका कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों के गलत नजरिये की पोल भी दुनिया के सामने खोलने में कामयाब रहा। दरअसल, इस संघर्ष में भारत जब भी अपने रणनीतिक हित में कोई फैसला करता है तो पश्चिमी देश उसे इस तरह से पेश करते हैं, जैसे वह रूस के साथ खड़ा है।

पेंशन के दर्द का इलाज... ओपीएस से एनपीएस के बाद अब यूपीएस

करीब 18 महीने तक विचार-विमर्श करने के बाद, सरकार ने शनिवार को अपने कर्मचारियों के लिए नई सुविधाओं के साथ एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की घोषणा की। जो लोग 2004 से सरकारी नौकरी में शामिल हुए हैं और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत आते हैं, उन्हें यूपीएस में ट्रांसफर होने का विकल्प होगा। यह अप्रैल 2025 से लागू किया जाएगा। क्या चीजें वास्तव में बदलती हैं? क्या यह पेंशन नीति का उलटफेर है?

जो लोग 2004 से केंद्र की सरकारी नौकरी में शामिल हुए हैं, वे पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का हिस्सा नहीं हैं। यह एक परिभाषित लाभ योजना है जो जीवनभर के लिए अंतिम वेतन का 50त्न पेंशन के रूप में प्रदान करती है। साथ में साल में दो बार मुद्रास्फीति समायोजन करती है। इसके बजाय, वे एनपीएस में चले गए, जिसे मूल रूप से नई पेंशन योजना कहा जाता था। एक परिभाषित योगदान योजना, जहां कर्मचारी अपनी वेतन का 10त्न योगदान करते हैं। इसमें सरकार एक मिलान योगदान करती है। सरकार का योगदान बाद में बढ़ाकर 14त्न कर दिया गया। कॉर्पस को सरकारी प्रतिभूतियों, शेयरों और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया गया था। म्यूचुअल फंड की तरह, इसका दैनिक शुद्ध संपत्ति मूल्य है। सेवानिवृत्ति के समय, निधि का कम से कम 40त्न वार्षिकी खरीदने के लिए उपयोग किया जाना है। यूपीएस के तहत, केंद्र अब एक आश्वासन देता है कि 25 वर्ष या अधिक समय तक काम करने वाले कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के माध्यम से महंगाई समायोजन के साथ पिछले 12 महीनों के औसत वेतन का 50त्न पेंशन के रूप में मिलेगा। साथ ही मृत योगदानकर्ता के जीवनसाथी के लिए पारिवारिक पेंशन भी मिलेगी। 10 वर्ष तक काम करने वालों के लिए न्यूनतम 10,000 रुपए का मासिक भुगतान होगा। सेवानिवृत्ति के समय एकमुश्त भुगतान के रूप में एक अतिरिक्त फायदा है, जो किसी व्यक्ति ने सरकार के लिए कितने वर्षों तक काम किया है, इससे जुड़ा है। अधिकांश राज्यों ने एनपीएस का विकल्प चुना, लेकिन केंद्र पर गारंटीकृत पेंशन के लिए दबाव बढ़ रहा था। राजस्थान, हिमाचल, झारखंड और पंजाब जैसे राज्यों ने ओपीएस में वापसी के लिए एनपीएस का विकल्प छोड़ दिया। हिमाचल में, इसे कांग्रेस की विधानसभा चुनाव जीत के लिए एक प्रमुख कारक के रूप में देखा गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पवित्र अवसर पर स्थानीय मानस भवन सभागार में भक्ति संगीत और नृत्य नाटिका श्रीकृष्ण की प्रस्तुति

मनमोहक एवं आकर्षक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोहा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मानस भवन में श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियां कार्यक्रम को प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। श्री कृष्ण पर्व के इस अवसर पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक श्री जयंत कुमार मलैया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटेल, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, सीइओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम आर. एल. बागरी, सीएससी अभिषेक तिवारी , धीरज कुमार परिवर्तन हेल्थ एंड एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद थे। इस एक दिवसीय समारोह में दिल्ली की ममता रानी जोशी और साथी कलाकारों ने भक्ति संगीत पेश किया वहीं जबलपुर की शालिनी खरे एवं साथी कलाकारों ने नृत्य नाटिका श्रीकृष्ण की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों ने गायन/नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। यह कार्यक्रम भोपाल सहित मध्य प्रदेश के 16 स्थानों पर श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन किये गये है। शालिनी खरे के दल ने गणेश रक्षास्त्रोत पर आधारित कथक नृत्य की प्रस्तुति से समारोह का आगाज किया। नृत्य गुरु शालिनी खरे के साथ पूजा रायकवार, कृति ठाकरे, योशिता सिंह ने अपनी प्रस्तुति के क्रम को आगे बढ़ाते हुए द्रौपदी चीर हरण को गतभाव में मंच पर उतारा। कथक में गतभाव अभिनय के साथ एक कहानी का चित्रण है। महाभारत की प्रसिद्ध द्रौपदी चीर हरण कथा को शालिनी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने एकल प्रस्तुति के माध्यम से महाभारत के सभी पात्रों को मंच पर जीवंत किया। सभा को विस्तार देते हुए तीनताल आधारित कथक प्रस्तुति तराना की दी। इसके पश्चात राधा-कृष्ण होली जिसके बोल रंग डालूंगी नंद के लालन पे... थे, पेश किया। प्रस्तुति में दिखाया कि राधा, सखियों के साथ मिलकर कृष्ण को रंग लगाने की योजना बनाती हैं। कृष्ण भी सखाओं के साथ उन्हें रंग लगाने पहुंच जाते हैं। राधा, सखियों के साथ मिलकर कृष्ण को तंग करती हैं। इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए ममता रानी जोशी ने अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं को भक्ति रस से भिगो दिया। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान संगीत नाटक अकादमी युवा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित ममता ने मीरा जहर का प्याला पी गई रे... गाकर मीरा के कृष्ण के प्रति प्रेम का वर्णन किया। सुधीजनों के लिए उन्होंने प्रेम और भक्ति से भरा गीत अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम्... और मेरा कान्हा सखियां संग रास रचाई... गीत पेश किया। कार्यक्रम को विस्तार देते हुए वृंदावन की गलियों में श्याम तेरा ही ठिकाना है..., हाथ खड़ताल पैरा विच विच घुंघरू मीराबाई नचदी... और फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी... गीत गाकर दमोह के श्रोताओं को मानो बृज की पावन धरा के साक्षात दर्शन करा दिए। श्रीकृष्ण के प्रेम से भरे श्रोताओं को उन्होंने राधे मुझे ब्रिज का बना दे..., नाचना में नचना श्याम दे नाल... और होरी खेलूंगी नंदलाल... गीत के माध्यम श्याम रंग में रंग दिया। इसके पश्चात कृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा.. गीत की प्रस्तुति दी। उनके साथ हारमोनियम पर भुवन शर्मा, ढोल पर रोशन लाल, तबला पर सुमित कुमार, की-बोर्ड पर हर्ष, खड़ताल पर भवरू खान ने संगत दी। स्थानीय कलाकारों में दमोह के भूपत सिंह लोधी और साथी कलाकारों ने बुंदेली लोक नृत्य राई और दमोह की भागवती बाई और साथी कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इस अवसर पर नर्मदा सिंह एकता, तहसीलदार मोहित जैन, नगर पालिका अधिकारी रितु पुरोहित, जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा, जन अभियान परिषद समन्वयक सुशील नामदेव, शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी कपिल खरे, सम्मानीय मीडियाजन सहित बड़ी संख्या में नागरिक, महिलायें मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात रंगकर्मी राजीव अयाची एवं डॉ आलोक सोनवलकर तथा विपिन चौबे ने किया।

मध्यप्रदेश की धरती ईश्वरमय हो गई है-राज्यमंत्री

जन्माष्टमी की दी सभी को शुभकामनायें

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, प्रदेश सरकार ने तय किया है राम गमन पथ पर जहां भगवान राम के चरण पड़े उन स्थानों को भी विकसित करेंगे, मुख्यमंत्री जी की सोच है कृष्ण पाथेय जहां भगवान कृष्ण ने लीलाएं की हैं उन स्थानों को भी विकसित करने, पल्लवित करने सरकार की मंशा है, महाकाल लोक बना है, दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ लोक भी बना रहे हैं, मध्य प्रदेश की धरती ईश्वर मय हो गई है। यह बात आज प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने स्थानीय मानस भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियां कार्यक्रम में कही। राज्यमंत्री ने जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा यह बहुत ही अच्छा कार्यक्रम संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया है। राम गमन पथ पर काम शुरू हुआ है, मध्य प्रदेश की धरती रामायण मय हो गई है और आप कृष्ण पाथेय के रूप में भगवान कृष्ण ने जहां जहां लीलाएं की हैं उन स्थानों को भी संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग द्वारा विकसित और पल्लवित करने का काम किया जा रहा है। आने वाले समय में मध्य प्रदेश शिवमय, राम मय और कृष्ण मय भी हो गया है इस प्रकार से मध्य प्रदेश को आगे ले जाने का काम संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से पर्यटन विभाग के माध्यम से निरंतर किया जा रहा हैं। प्रदेश के राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा दमोह नगर में पहली बार संस्कृति विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर कार्यक्रम पूरे प्रदेश में और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देश पर पूरे देश में आयोजित हुए हैं। उन्होंने कृष्ण जन्माष्टमी की सभी प्रदेशवासियों, देशवासियों को शुभकामनायें दी।

छात्रा को जबरन शराब पिलाकर स्कूल प्राचार्य ने किया दुष्कर्म, प्राचार्य फरार, मामला हुआ दर्ज

सहायक आयुक्त ने विद्यालय से हटाया, निलबंन का भेजा प्रस्ताव

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, कोलकाता में 5 अगस्त को डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के बाद देशभर में आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोग सड़कों पर उतर कर हाथों में कैंडल लेकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन यह दर्दनाक घटना भी समाज में हैवानियत की बढ़ती घटनाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि न्याय न मिलने से अपराधियों के हौसले और भी बुलंद हो गए हैं। हर दिन दुष्कर्म की नई घटनाएं सामने आ रही हैं। अनूपपुर जिले के करनपठार थाना क्षेत्र में गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। जहां एक शिक्षक ने 12वीं की छात्रा को ओपन परीक्षा का फार्म भरवाने के नाम पर बहला-फुसलाकर खंडहरनुमा स्कूल में ले जाकर जबरन शराब पिला उसके साथ दुष्कर्म किया। इस घिनौनी घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं सहायक आयुक्त जनजातीय विभाग ने तत्काल कार्यवाई। करते हुए प्राचार्य को विद्यालय से हटाते हुए। निलबंन की कार्यवाई के लिए संभागीय कार्यालय को पत्र भेजा गया हैं। एसडीओपी पुष्प राजगढ़ नवीन तिवारी बताया कि करनपठार थाना क्षेत्र की निवासी 19 वर्षीय पीड़िता 9वीं और 10वीं की पढ़ाई अपने गांव के शासकीय स्कूल से की थी और 11वीं की पढ़ाई शहडोल के एक शासकीय विद्यालय से पूरी की। इस वर्ष वह 12वीं की परीक्षा ओपन बोर्ड से देना चाहती थी। 23 अगस्त को वह ओपन परीक्षा के लिए फार्म भरवाने के लिए खमरोध विद्यालय गई, जहां उसकी मुलाकात स्कूल के प्राचार्य उदय नारायण सिंह बघेल से हुई।

प्राचार्य ने छात्रा से कहा कि फार्म भरने के लिए उसे शहडोल जाना पड़ेगा और उसे अपने साथ शहडोल ले जाने की बात कही। लेकिन शहडोल ले जाने के बजाय आरोपी शिक्षक उसे दलदली के एक पुराने, खंडहरनुमा स्कूल भवन में ले गया। वहां पहुंचने पर उसने छात्रा का मोबाइल छीन लिया और जबरन उसे शराब पिलाने लगा। जब छात्रा ने इसका विरोध किया, तो शिक्षक ने उसके साथ मारपीट की और फिर उसे एक कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। छात्रा किसी तरह से बचकर भागी और अपने घर पहुंचकर परिजनों को इस घटना की जानकारी दी। परिजनों के साथ छात्रा ने सरई थाना करनपठार में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी शिक्षक उदय नारायण सिंह बघेल के खिलाफ धारा 64(2) (ख) बीएनएस और 3 (2) (1) स्ष्ट/स्ज्ञ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

इनका कहना है।

प्राचार्य के खिलाफ मामला दर्ज हो गया है शहड़ोल से आना जाना करते थे पुलिस शहड़ोल भेजा गया था घर से फरार है तलाश जारी है।

विवेक तिवारी एसडीओपी पुष्पराजगढ़

बिजुरी में भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सतत प्रयास करने वाले व्यक्ति को मिलती है सफलता - श्री दिलीप जायसवाल

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, जिला अन्तर्गत बिजुरी नगर में यादव महासभा द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर निकाली गई भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान यादव महासभा ने मटकी फोड़ कार्यक्रम के तहत दही से भरी मटकियां तोड़ीं। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत करते हुए फूल बरसाए वहीं आसमान से बारिश रूपी अमृत भी बरसता रहा। शोभायात्रा के दौरान प्रदेश शासन की कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने भगवान श्रीकृष्ण का संदेश याद दिलाते हुए कहा कि हम सतत प्रयास करें, थक कर हारें नहीं।सतत प्रयास करने वाले व्यक्ति को सफलता मिलती है। शोभायात्रा के दौरान बिजुरी नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती सहबीन पनिका, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति सतीश शर्मा, पसान नगर पालिका के अध्यक्ष श्री राम अवध सिंह, बिजुरी नगर पालिका के सीएमओ श्री पवन साहू, श्री राजू यादव, श्री हनुमान गर्ग, यादव महासभा के अध्यक्ष राम चरन यादव, जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए यादव समाज के अलावा विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे। शोभायात्रा के दौरान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव क्षेत्र और प्रदेश की सुख समृद्धि तथा लोगों की खुशहाली के लिए मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म करो फल की इच्छा मत करो, इसीलिए हम सब कर्म करें और हारें नहीं। उन्होंने ने कहा कि हमें अहंकार नहीं करना चाहिए, हम अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ें, भगवान कृष्ण की तरह अच्छे पुत्र और अच्छे मित्र बनें। इस अवसर राधा-कृष्ण की जीवंत झांकी ने लोगों को आकर्षित किया। कलश धारण किए महिलाओं की टोली शामिल थी। यादव महासभा के द्वारा हनुमान मन्दिर के पास मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बारिश के बावजूद शोभायात्रा में शामिल लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। रास्तेभर जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया।

चौकी फुनगा से नाबालिग किशोरी की दस्तयाबी की कार्यवाही

परिजनों के चेहरे पर मुस्कान

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, दिनांक 23.08.2024 को ग्राम बमहनी निवासी फरियादी की रिपोर्ट पर कि उसकी 13 वर्षीय किशोरी घर से बिना बताये कहीं चली गई है , किशोरी के नाबालिग होने से पुलिस चौकी फुनगा थाना भालूमाड़ा में अपराध क्रमांक 316 /24 धारा 137 (2) भारतीय न्याय संहिता का क़ायम कर विवेचना में लिया जाकर पता तलाश शुरू किया गया पता तलाश के दौरान आज दिनांक 26.08.2024 को अपहृत 13 वर्षीय किशोरी को दस्तयाब कर माता पिता को सुपुर्द किया गया है ।उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी फुनगा उप निरीक्षक सुमित कौशिक, सहा. उप निरी. कोमल अरज़रिया , आरक्षक 371 मोतीराम सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही है

चावंल से भरे ट्रक में लगीआग जा गिरा खाई में, चालक ने कुदकर बचाई जान

सूचना पर पहुंची पुलिस, दमकल की मदद से पाया गया आग पर काबू

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ ।

लालबर्रा, लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत बालाघाट-सिवनी राजमार्ग क्रमांक 72 में 26 अगस्त के लगभग 11 बजे के आसपास इलाहाबाद से बालाघाट निकटवर्ती जिला गोंदिया चांवल का परिवहन कर रहे वाहन क्रमांक जीजे 15 एटी 3003 के अचानक राजमार्ग की खस्ता हालत होने के कारण बेकाबू ट्रक बंजारी मंदिर (कंजई) एवं मजार के समीप खाई में गिर गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक ने किसी बड़ी दुर्घटना का अंदेशा होने पर स्वयं को वाहन से कूदकर बाल-बाल बचाया।ट्रक के खाई में गिरने के कारण आग लगने की वहज से ट्रक में रखा चांवल जलने की खबर मिलते ही राहगीरों द्वारा इसकी सूचना लालबर्रा पुलिस को देने पर लालबर्रा पुलिस द्वारा आग पर काबू पाने नगर पालिका परिषद बालाघाट से दमकल वाहन बुलाकर बढ़ती आग पर काबू पाया और वाहन चालक की पतासाजी करने पर वाहन चालक मौके से नदारत पाया गया।वहीं क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि वाहन चालक किसी राहगीर की मदद से कंजई तक आया और चाय-नाश्ता कर कहीं आगे निकल गया।समाचार लिखे जाने तक लालबर्रा पुलिस द्वारा वाहन चालक एवम वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है।

हज यात्रा पर पैदल जा रहे यात्री का स्वागत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर। हज की यात्रा पर पैदल निकले यात्री का शाजापुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। कर्नाटक निवासी सैयद जिलानी 56 दिन पहले कर्नाटक से हज यात्रा के लिए पैदल रवाना हुए थे, जिनका सोमवार को शाजापुर में मुस्लिम समाज ने स्वागत किया। सैयद जिलानी ने बताया कि वह प्रतिदिन 25 से 40 किमी की पैदल यात्रा करते हैं और विभिन्न देशों से होते हुए वह सउदी अरब पहुंचकर मक्का-मदीना की जियारत कर हज के अरकान पूरे करेंगे।

जिलेभर में हर्षोल्लास से मनाई जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण मंदिरों में हुई आकर्षक सजावट

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, यमुना जल में लहरें नाचें, लहरों पर शशि छाया, मुरली पर अंगुलियां नाचें, अंगुलियों पर माया...। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर शहर के श्रीकृष्ण मंदिरों में सुबह से लेकर देररात तक इसी तरह की धुन सुनाई दी। वहीं मंदिरों में सोलह कलाओं तथा 64 विद्याओं के पारंगत, सुदर्शनधारी भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव परंपरागत और उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह का माहौल रहा। उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के मौके पर अल सुबह से लीलाधर श्रीकृष्ण के मंदिरों में दर्शन के लिए भक्त पहुंचने लगे थे और यह सिलसिला रात तक जारी रहा। साथ ही भक्तों ने श्याम सुंदर श्रीकृष्ण का विशेष श्रृंगार कर पूजन-अर्चन किया। इसी कड़ी में शहर के विभिन्न कृष्ण मंदिरों में आकर्षक सजावट की गई। गौरतलब है कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की धूम पूरे शहर में रही और भक्त सुबह से लेकर रात तक श्रीकृष्ण की भक्ति रस में डूबे दिखाई दिए। शहर के वजीरपुरा स्थित राधाकृष्ण मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, गुरुद्वारा स्थित श्रीकृष्ण मंदिर, खजांची मंदिर स्थित मंदिर, राठौर धर्मशाला कृष्ण मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा की गई। रात के समय मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। वजीरपुरा स्थित गुरुद्वारे में सुबह के समय बाल गोपाल का अभिषेक हुआ। तत्पश्चात राधाकृष्ण का श्रृंगार किया गया। वहीं रात 12 बजे केक काटकर मुरलीधर का जन्मोत्सव मनाया गया। इस वर्ष स्कूलों में भी जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

विभिन्न संस्थाओं में मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व राज्य शासन एवं कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश पर शाजापुर जिले की विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। जन्माष्टमी पर जिले की शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं तथा शालाओं मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग, व्याख्यान का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में माखन मटकी फोडना, श्रीकृष्ण राधा का स्वांग बनाना, श्रीकृष्ण-राधा झांकी आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, संस्था प्रमुखों शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा सहभागिता की गई। वहीं शासकीय उत्कृष्ट उमावि में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इस दौरान शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंग के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर कृष्ण जन्मोत्सव की झांकी सहित उनकी शिक्षाओं से सम्बन्धित संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर शाही ठाठ बाट से निकले महादेव के तीन स्वरूप

गूंजे बोल बम के जयकारे, जगह-जगह हुई पूजा-अर्चना

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ ।

शाजापुर, भादव माह के पहले सोमवार को महादेव के तीन स्वरूप शाही ठाठ-बाट से भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकले। शाम करीब 5.30 बजे ओंकारेश्वर महादेव रथ में सवार होकर शाही अंदाज में भक्तों के हाल-चाल जानने मंदिर से निकले। वहीं सोमवारिया बाजार स्थित सोमेश्वर तथा तालाब की पाल स्थित जयेश्वर महादेव की शाही सवारी पूजन के बाद रवाना हुई। सुमधुर धुनों पर नाचते-थिरकते भक्तों की टोली के साथ-साथ जब नगर के तीन अलग-अलग क्षेत्रों से सवारी निकली तो सारा शहर मानों भोले की भक्ति में रम गया हो, लोग सडक्रों पर बाबा की झलक पाने को आतुर दिखाई दिए। शाही सवारी में आकर्षक झांकी के साथ दूर-दराज से आए बेन्ड ने भी खूब सराहना बटोरी। नगर के सभी प्रमुख मार्गों से होती हुई सवारी देररात मंदिर पहुंची। उल्लेखनीय है कि परंपरानुसार भादव मास के पहले सोमवार को भक्तों को दर्शन देने तीन-तीन महादेव जब नगर के विभिन मार्गों से गुजरे तो सारी गलियां और सडक़ें भोले के भक्तों से भरी हुई नजर आईं। ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से निकली महादेव की शाही सवारी भक्तिमय धुनों पर धानमंडी से वजीरपुरा, भावसार मोहल्ला, लालपुरा, महादेव घाट, मगरिया चौराहा, सोमवारिया बाजार, आजाद चौक, किलारोड़ होते हुए देररात मंदिर पहुंची, जहां बाबा की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसी प्रकार जयेश्वर मंदिर से निकलने वाली शाही सवारी कसेरा बाजार, आजाद चौक, नई सडक़, बस स्टैंड, टेंशन चौराहा, मगरिया से सोमवारिया होते हुए देररात मंदिर पहुंची। वहीं दूसरी ओर सोमेश्वर मंदिर से निकली शाही सवारी सोमवारिया से लालपुरा, मगरिया, सोमवारिया बाजार, आजाद चौक, किला रोड, धान मंडी, वजीरपुरा होते हुए मंदिर पहुंची। मंदिर पहुंचने पर महादेव की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया।

समाज सेवा करने वाले पत्रकारों का मजबूत संगठन बनेगा आईजा-श्री हुंडिया

इंदौर में आयोजित शपथ विधि समारोह में शामिल हुए प्रदेशभर के पत्रकार

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ ।

शाजापुर, हमेशा आमजनता के हित और हक की आवाज उठाने वाले पत्रकार से बड़ा समाजसेवी कोई दूसरा हो नहीं सकता, किंतु अनेक मौकों पर दूसरों के हक की लड़ाई लडऩे वाला पत्रकार भी अकेला नजर आता है। ऐसी परिस्थिति में उसे जरूरत होती है अपनों के साथ और सहयोग की। एक ही समाज के एक ही पैशे से जुड़े साथियों को एकजुट करने की सार्थक पहल आईजा के रूप में शुरू हुई है। हमें विश्वास है कि इसके सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे और आईजा प्रदेश में समाजसेवी पत्रकारों के मजबूत संगठन के रूप में उभरकर खड़ा होगा। उक्त बातें ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार हार्दिक हुंडिया ने प्रदेशभर के पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। हुंडिया मां अहिल्या की नगरी इंदौर में आयोजित आईजा के शपथ विधि एवं पत्रकार सम्मान समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेशभर से एकत्रित सैकड़ों पत्रकारों से भरे संतोष सभाग्रह के विशाल परिसर में संगठन के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बाफना एवं महासचिव दीपक दुग्गड़ सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों का शपथ विधि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत जावरा से आई गायिका

प्रियंका सुराणा द्वारा नवकार महामंत्र के स्तवन के साथ की गई। इसके उपरांत हुंडिया सहित समारोह के अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों सहित समस्त पत्रकारों का परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ साथ ही समस्त पत्रकारों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने भी किया संबोधित कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप बाफना ने कहा कि पत्रकार स्वयं में कितना ताकतवर होता है यह हम सभी बखूबी जानते हैं, लेकिन एक जैसा काम करने के बावजूद आज तक हम सामाजिक तौर पर एक-दूसरे से अपरिचित और अनजान ही रहे हैं। किंतु यह अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है कि समाज की इस बिखरी हुई शक्ति को संगठित करने का संकल्प राष्ट्रीय अध्यक्ष हुंडिया के कुशल नेतृत्व में साकार हो रहा है और मध्य प्रदेश इकाई ने इस कार्य में अहम भूमिका निभाई है। जिसके लिए आईजा से जुड़े सभी साथी बधाई और धन्यवाद के हकदार हैं। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि महेश डाकोलिया, निवृत्तमान प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार हरण, संरक्षक रमेशचंद धारीवाल, अभय जैन, सुरेन्द्र ललवानी तथा पवन नाहर आदि ने भी संबोधित किया और हुंडिया की समाज हितैषी पहल के प्रति आभार जताया। संचालन निलेश सुराणा जावरा ने किया तथा अंत में आभार आईजा के प्रदेश महासचिव दीपक दुग्गड़ ने माना। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से नवनियुक्त प्रदेश सचिव सुनील नाहर, शाजापुर जिला संरक्षक मनोज नारेलिया, जिला अध्यक्ष महेश जैन, जिला सचिव आशुतोष चोपड़ा तथा जिला संगठन मंत्री मंगल नाहर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में जैन पत्रकार साथी शामिल हुए।

24 घंटों में 17.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, जिले में गत दिवस से सोमवार सुबह 8 बजे तक 17.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वाधिक वर्षा तहसील शाजापुर में 45 मिमी हुई। इसी तरह तहसील मो बड़ोदिया में 19 मिमी, शुजालपुर में 8 मिमी, कालापीपल में 7 मिमी, गुलाना में 26 मिमी, पोलायकलां में 10 मिमी एवं अवंतिपुर बड़ोदिया में 8 मिमी वर्षा हुई है। इस प्रकार 01 जून 2024 से अब तक शाजापुर में 780 मिमी, मो बड़ोदिया में 879 मिमी,, शुजालपुर में 755 मिमी, कालापीपल में 983 मिमी, गुलाना में 627 मिमी, पोलायकलां में 460.9 एवं अवंतिपुर बड़ोदिया में 700 मिमी, इस प्रकार कुल 740.7 मिमी औसत वर्षा हुई है।

कटनी में 125 साल पुराने श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में हुई चोरी

दान पेटी सहित अन्य सामान लेकर हुए रफ़ूचकर

सुनील यादव | सिटी चीफ ।

कटनी, शहर के हृदयस्थल झंडा बाजार स्थित 125 साल पुराने श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार की रात अज्ञात ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर के बाजू में स्थित एक मकान से सीढियों के सहारे मंदिर की छत पर पहुंचे और लोहे की रॉड को उखाडक़र मंदिर के अंदर घुसे। यहां से दान पेटी सहित अन्य सामान पार कर दिया। जैन मंदिर में चोरी की वारदात से सनसनी फैल गई। खबर लगते ही बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग यहां पहुंचे। वारदात को लेकर लोगों को रोष देखा गया। सूचना मिलते ही कोतवाली टीआई आशीष शर्मा भी पुलिस बल के साथ मंदिर पहुंचे। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी बुलाया गया। डॉग स्कवाड ने मंदिर के चप्पे-चप्पे पर जाकर जांच पड़ताल की। सीसीटीव्ही फुटेज में चोर सीढियों से मंदिर के अंदर आते हुए दिखे हैं। जिसकी जांच की जा रही है। फुटेज के मुताबिक देर रात चोर मंदिर के

अंदर घुसे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। जैन समाज के लोगो ने बताया की रोज की तरह रविवार की रात साढ़े 9 बजे मंदिर बंद हो चुका था और जैन समाज के लोग अपने-अपने घर जा चुके थे। इसी दौरान रात में दो अज्ञात चोर दिगम्बर जैन बोर्डिंग हाऊस के सामने डॉ. समीर चौधरी के घर के पिछले हिस्से की तरफ लगे दरवाजे को तोडक़र ऊपर पहुंचे। बताया जाता है कि सीढियों से होते हुए अज्ञात चोर डॉ. समीर चौधरी के घर की छत पर पहुंचे और यहां रखी सीढ़ी से चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर की छत पर पहुंचे। यहां मंदिर के डोम पर लगे कांच को तोडक़र उन्होंने लोहे के कटर से रॉड को तोड़ा और घंटे की जंजीर के सहारे मंदिर के अंदर पहुंचे। यहां पर एक लोहे की दान पेटी रखी हुई थी। चोरों ने दान पेटी उठाई और मंदिर में रखा अन्य सामान लेकर फरार हो गए। मंदिर की छत पर गंदगी भी पाई गई, इसके अलावा कपड़े और शराब की बोतल भी मिली है।

नगर विधायक राजीव गुम्बर ने विधायक निधि से बनी सड़क का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में विकास कार्य कराए जा रहे हैं : राजीव गुम्बर

गौरव सिंघल | सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर नगर विधायक राजीव गुम्बर ने आज विधायक निधि से बनी सड़क का लोकार्पण किया।

वार्ड-53 में प्रताप नगर में सड़क, गली व नाली निर्माण का उद्घाटन करते हुए करते हुए विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश विकास की राह पर बढ़ चला है। उन्होंने कहा कि पूरे नगर में बिना किसी भेदभाव के

विकास कार्य कराए जा रहे है। उन्होंने कहा कि उक्त सड़कों व नाली निर्माण के कार्यो से स्थानीय क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा व आवागमन में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि पहले गड्ढों में सड़क हुआ करती थी कही भी आना-जाना दुश्वारियों भरा होता था परंतु अब भाजपा सरकार बनने के बाद सड़क और हाईवे निर्माण का एक नया अध्याय लिखा गया है। जिससे कि अब कही पर भी आवागमन सुखद हुआ है। इसी प्रकार महानगर में भी अनेक विकास कार्य कराए गए हैं जिनसे आमजन का जीवनस्तर में सुधार आया है। उन्होंने कहा कि इन गलियों के निर्माण से जलभराव की समस्या भी दूर होगी। जिससे आमजन के जीवन स्तर में सुधार होगा इस अवसर पर भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, मंडल अध्यक्ष विजय वर्मा, पार्षद नीरज शर्मा, रविसेंन जैन, देवेंद्र राणा, विनोद सैनी, गौरव जैन, अनुराग जैन, पुनीत वर्मा सहित स्थानीय क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नेशन बिल्डर्स की अनोखी जन्माष्टमी

कान्हा के रास नहीं उनके द्वारा दुष्टों को त्रास को याद करें - पद्मश्री स्वामी भारत भूषण

गौरव सिंघल | सिटी चीफ ।

सहारनपुर, नेशन बिल्डर्स अकादमी और मोक्षायतन योग संस्थान में योगेश्वर श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर हर तरफ बाल कृष्ण ही कृष्ण दिख रहे थे और साथ ही गाय के घी से हुए कान्हा के स्वागत की सुगंध। माता- पिता ने जिस उत्साह से बच्चों को कान्हा और राधा के बाल रूप में सजाकर भेजा वह मनोहारी था। आज संस्थान में मौजूद योगीराज स्वामी भारत भूषण ने बच्चों, साधकों और शिक्षकों के साथ मुक्त भाव से संवाद किया और इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृष्ण को रास रसैय्या और बंसी बजैया के रूप में ही प्रचारित किया जा रहा है उनके पराक्रम, शौर्य, ज्ञान, कर्मयोग, नेतृत्व शक्ति, नीतिज्ञ और जगद्गुरु रूप कहीं खो से गए हैं। उन्होंने बड़े रोचक अंदाज में बच्चों को बताया कि नर्सरी के बच्चों की उम्र में ही उन्होंने पूतना राक्षसी का संहार किया और तूफान भरी यमुना में कालिया नाग को नथ कर ऐसा नियंत्रित किया कि वह कान्हा के चरणों में आ गया। कृष्ण ने छोटी उम्र में ही मथुरा मुष्टिक चाणूर और कंस जैसे राक्षसों का वध करके समाज को राहत की सांस दी। योग गुरु भारत भूषण ने कृष्ण की बंसी को योग के सात चक्रों के जागरण और ध्यान से परम ज्ञान प्राप्ति के साधन के रूप को समझाया और बताया कि पूरे

महाभारत गीता और कृष्ण के प्रमाणिक साहित्य में राधा नाम की महिला का कोई उल्लेख नहीं आता। उनकी आत्मा और ध्यान की गहराई में उसमे ही रमण को प्रतीक रूप में ऐसा बताया जाने लगा कि जैसे किसी स्त्री के संग प्रेम प्रसंग की बात हो। कृष्ण और इनके बड़े भाई कितने बड़े पहलवान और पराक्रमी योद्धा थे कि जन्माष्टमी पर दंगल, और गीता ज्ञान प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं लेकिन राधा संग काल्पनिक रास लीलाओं के नाम पर कृष्ण के असल स्वरूप को हम भूलते जा रहे हैं जो समाज को कमजोरी की तरफ धकेल रहा है। स्वामी भारत भूषण ने माता-पिता से भी कहा कि बच्चों के मन में डर बैठाना छोड़ें और उन्हें चुनौतियों में जीना सिखाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को मंदिर अवश्य भेजें और स्वयं उनके साथ जाएं क्योंकि मंदिर ज्ञान अध्यात्म भक्ति और शक्ति के केंद्र हैं जिन्हें आपके पूर्वजों ने अपने तप से जाग्रत किया है,ये व्यक्ति और समाज दोनो की ही मजबूती का साधन हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर में भगवान से मांगने के बजाय मंदिरों की सेवा करने जाएं। योग गुरु भारत भूषण बोले कि हम निष्क्रिय रहें तो न शिव हमारी रक्षा करेंगे, न कृष्ण न दुर्गा और न ही हनुमान क्योंकि हमे गीता का ये उपदेश याद रखना होगा कि धर्मो रक्षति रक्षित: यानी धर्म उन्ही की रक्षा करता है जो धर्म की रक्षा करते हैं। बंटे और बिखरे परिवार और समाज दोनो का विनाश निश्चित है। आज जन्मदिन होने से साधिका मोना मिगलानी, अवधेश दुआ और ललित वर्मा जन्माष्टमी यज्ञ के यजमान रहे। नन्हे नेशन बिल्डर्स और युवा योग साधकों ने योगाभ्यास और मल्ल विद्या शरीर सौष्ठव का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यत: ऋषिपाल सिंह, सोनल सचदेव, आलोक श्रीवास्तव, विजय सुखीजा, बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, सुरभि सेठी, सुमन्यू सेठ, पूनम वर्मा, नारायण, रमन शर्मा, मिथलेश शर्मा और अजय यादव आदि उपस्थित रहे।

कर्तव्यदक्ष मुर्तीजापुर मतदार संघ आमदार हरिभाऊ पिंपळे यांच्या प्रयत्नाने

जनुना येथील बंजारा कार्यकर्त्यांनी BJP मध्ये घेतला जाहीर प्रवेश

जणूंना येथील माजी सरपंच अरविंद राठोड वंचितला रामराम

संजय चव्हाण | सिटी चीफ ।

अकोला, आज रविवार दिनांक 25 ऑगस्ट 2024 रोजी मुर्तीजापुर विधानसभा विस्तारक बैठक अग्रसेन भवन मुर्तीजापूर येथे आयोजित करण्यात आली होती. यावेळी भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री आमदार श्री रणधीर भाऊ सावरकर, मुर्तीजापूर विधानसभा मतदार संघाचे लोकप्रिय आमदार श्री हरिषभाऊ पिंपळे, जिल्हा अध्यक्ष श्री किशोर मांगटे पाटील, तालुका अध्यक्ष संजय इंगळे,युवा मोर्चा अध्यक्ष संदीप राठोड यांच्या उपस्थितीत जनुना येथिल प्राचार्य डॉ मधुकर रंगलाल पवार यांच्या मार्गदर्शनाखाली जनुना येथिल प्रतिष्ठीत तथा जेष्ठ कार्यकर्त्यांनी भारतीय जनता पार्टी मध्ये जाहीर प्रवेश केला. यामध्ये राष्ट्रवादी काँग्रेस चे श्री हिरासिंग जाधव (से.नी ठाणेदार), वंचित बहुजन आघाडी चे अरविंद भाऊ राठोड माजी सरपंच, श्री हिरासिंग जाधव महाराज, श्री बन्सीराम महाराज, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी महिला आघाडी च्या जिल्हा उपाध्यक्ष च्या मिराबाई जाधव (ग्रा.पं सदस्य), अर्चना जाधव (ग्रा.पं सदस्य), रोहित पवार (ग्रा. प सदस्य), संजय पवार (ग्रा.पं सदस्य), बुगाबाई पवार (ग्रा.पं सदस्य) श्री विजय जाधव उपसरपंच, श्री हरिशचंद्र पवार, श्री उत्तम राठोड, श्री शंकर पवार, श्री बाळु पवार, श्री अरविंद चव्हाण, श्री सुखदेव चव्हाण, श्री इंदल महाराज, श्री विकास जाधव, श्री शामराव बेलदार, श्री जोगीराम राठोड, श्री बबन ठाकरे, श्री सदाशिव राठोड, श्री बबन महाराज, श्री विजय राऊत, श्री आंबू पवार, श्री रामकृष्ण घोडे, श्री समाधान जाधव, श्री बारकू घोडे, श्री मेघनाथ पवार, यावेळी जनुना जिल्हा परिषद सर्कल चे सदस्य श्री रायसिंग रामराव राठोड,बुथ प्रमुख उल्हास राठोड उपस्थित होते. त्यांनी विकासासाठी सर्वच मुद्यावर चर्चा केली. जनुना गावच्या विकासासाठी निधी कमी पडू देणार नाही असे गावकऱ्यांना आश्वासित केले. भारतीय जनता पार्टी मध्ये प्रवेश करणाऱ्या सर्वच कार्यकर्ता व पदाधिकारी यांचे मन:पूर्वक अभिनंदन व पुढील वाटचालीसाठी शुभेच्छा.

देवबंद में स्कूल बस पर फायरिंग करने की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

मुख्य आरोपी किशोर को किया गिरफ्तार, तमंचा और बाइक बरामद

गौरव सिंघल | सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र में सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की बस पर फायरिंग करने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी एक किशोर को गिरफ्तार किया है। किशोर ने चिढाने को लेकर हुई कहासुनी की रंजिश में छात्र को सबक सिखाने के लिए साथियों के साथ फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने घटना में शामिल उक्त किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। बता दे कि बीते शनिवार को सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की बस का चालक रवि कुमार स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर दिवालहेड़ी गांव छोड़ने के लिए गया था। मकबरा के पास पहुंचने पर बुलेट और बाइक पर सवार पांच युवकों ने बस को रुकवाने का प्रयास किया था लेकिन इसमें विफल रहने पर उन्होंने बस पर फायरिंग कर दी थी। जिसमें कई गोलियां बस की बॉडी में लगी थी। जबकि कई छात्र इसमें बाल-बाल बच गए थे। इस मामले में स्कूल बस चालक रवि ने एक नामजद सहित कई के विरुद्ध तहरीर दी थी। पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच में जुट गई थी। घटना का खुलासा करते हुए देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि घटना का मुख्य आरोपी 14 वर्षीय किशोर है। जो सरसावा स्थित स्कूल में पढ़ता है। सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल का एक छात्र अन्य बच्चों के साथ मिलकर उसे चिढ़ाता था। जिसकी वजह से उसकी कहासुनी हो गई। इसी रंजिश में उसने स्कूल के बाहर उसे सबक सिखाने की ठान ली। वह अपने चार साथियों के साथ स्कूल के बाहर खड़ा हो गया। लेकिन छात्र बस में बैठकर बाहर निकला। जिसके चलते उन्होंने मकबरा के पास बस को रुकवाने का प्रयास किया। बस न रुकने पर उन्होंने उस पर फायरिंग कर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि किशोर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा, कारतूस और मोटर साइकिल बरामद हुई है। पूछताछ के बाद उसके साथियों की तलाश की जा रही है। आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

आईजा के शपथ विधि समारोह में नीमच जिले के पत्रकारों ने अतिथियों का सम्मान कर स्मृति भेंट की

कुकडेश्वर

आईजा के कार्यक्रम में प्रदेश के 600 कीलो मीटर की दुरी से भी इस बरसे पानी में जैन समाज जिन शासन की सेवा का जज्बा लेकर अखिल भारतीय स्तर के आईजा जैन पत्रकार संघ के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में शपथ विधि समारोह में भाग लेकर मन को प्रफुल्लित कर दिया उक्त बात देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में संतोष सभा गृह में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक जी हुंडिया मुम्बई ने व्यक्त करते हुए बताया कि आज हमारे जैन समाज की स्थिति क्या हो रहीं हैं देश में सबसे ज्यादा टेक्स देने के बाद भी जैन समाज पिछड़ता जा रहा देश की सरकारें व राजनीतिक दलों के द्वारा जैन समाज का प्रतिनिधित्व नहीं बढ़ाया जा रहा है हमें संगठित होकर समाज के हित में कदम उठाने होंगे हम सर्व समाज व राष्ट्र और जन जन के लिए पत्रकारिता के माध्यम से सेवा कर रहे साथ ही हमें जिन शासन जैन समाज के लिए भी कार्य करने हैं।आज हमारे जैन तीर्थ की स्थिति क्या हो रही साथ ही समाज में फैली कुरितियां और पनपते प्राईवेट ट्रस्टों से समाज का भला नहीं होने वाला है। सबसे पहले हम जैन है इस भाव को लेकर समाज में जागृति लाना है। हुंडिया ने कहा कि आईजा के माध्यम से जैन समाज व देव गुरु धर्म की रक्षा करना है।आप सभी साथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने मुझे शक्ति प्रदान की है। उक्त अवसर पर कई वक्ताओं के साथ प्रदेश

अध्यक्ष डॉ प्रदीप बाफना ने कहा कि बिगड़ते मौसम में भी आपके आगमन से ही इस भव्य कार्यक्रम ने इतिहास रचा है सम्माननीय साथियों हमारे आईजा के सैनिकों का में दिल की गहराई से बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं आप सभी नेआयोजित शपथ विधि व सम्मान समारोह में बारिश के चलते मौसम में भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई जिसके कर्ज का ऋणी रहूंगा। कार्य क्रम में सरल स्वभावी राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक भाई सा की गरिमामय उपस्थिति में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन नाहर व इस सफल आयोजन में हमारे साथ इंदौर निवासी राष्ट्रीय सलाहकार प्रदीप जैन ने जो सहयोग किया वह कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।कार्यक्रम के विशेष अतिथि समाजसेवी महेश डाकोलिया व पूर्व अध्यक्ष राजकुमार हरण प्रदेश संरक्षक रमेश धारीवाल व अभय भैया उज्जैन आप सभी ने मंच को सुशोभित किया आप का मार्गदर्शन हमारी मध्य प्रदेश रीजन की इकाई को फर्श से अर्श तक ले जाने में मदद करेगी। कार्य क्रम में नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। उक्त अवसर पर कई कार्यक्रम के साथ नीमच जिले की कार्यकारिणी ने जिला अध्यक्ष विमल जैन मोरवन, महामंत्री अभय जैन मोरवन, संरक्षक सतीश खाबिया,जिला उपाध्यक्ष मनोज खाबिया कुकडेश्वर,दिनेश विरवाल सरवानिया,महेश जैन नीमच, मंत्री प्रकाश एस जैन कुकडेश्वर,सुनील पटेल, विनोद सावला जीरन,राज कुमार जैन,अनिल जैन,तरुण जैन मोरवन, सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के साथ मंचासीन अतिथियों को कुकडेश्वर के जैन समाज के कवि स्व मनीष जैन की स्मृति में स्वयं की रचित कविता संग्रह की बुक व कवि राजेन्द्र जैन अयोग्य की रचनाएं लिखीत बुक भेंट की वहीं संजय शर्मा नीमच के समाचार पत्र की प्रतियां भेट कर सम्मान किया और जावद विधायक प्रतिनिधि भरत जाट का सम्मान किया व जाट द्वारा बेंग सभी को भेट किये गये। उक्त अवसर पर प्रथम सत्र में परिचय व सम्मान द्वितीय सत्र में स्वागत भाषण व तृतीय सत्र में शपथ विधि कार्य क्रम हुआ। साथ ही कार्य क्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सिंगर प्रियंका जैन ने नवकार मंत्र से शुभारंभ करवाया सिंगर ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ दादा का स्तवन व भिनी भिनी उड़े गुलाल पर सभी को थिरकने पर मजबुर कर दिया। कार्य क्रम का संचालन निलेश जैन ने किया व आभार प्रदेश महामंत्री दिपक दुग्गड़ ने मानते हुए बताया कि प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष ने जो प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग दिया उनका भीं आभार प्रकट करता हुं।अभी तो हमें बहुत कार्यों करना है जिन शासन के लिए बस हम सभी की यही संगठित भावना साथ रही तो आईजा मध्य प्रदेश में एक नया इतिहास लिखेगी।

जो भी पत्रकार साथी का नाम संगठन में नहीं जुड़ा है वे संपर्क करे।सभीं से विशेष अनुरोध है कि जिन्हें भी जो पद मिला वो उनके अनुरूप कार्य करे। सभी आईजा के सेनिको जय जय आईजा घर घर आईजा के मंत्र को ध्यान में रखते हुए कार्य करते रहे। सभी का आभार व्यक्त करता हूं आप हमेशा हमारे साथ ऐसे ही हर समय कंधे से कंधा मिलाकर साथ रहेंगे ऐसा पूर्ण विश्वास है।

अकोल्यात आज मातंग समाजाच्या वतीने एक दिवसीय लाक्षणिक धरणे आंदोलन करण्यात आले आहे....

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ ।

अकोला ऐतिहासिक निर्णय अनुसूचित जमातीत समस्त उपेक्षित वंचित व मातंग समाज तर्फे जाहीर समर्थन देण्यासाठी व महाराष्ट्र शासनाने अनुसूचित जातीचा उपवर्गीकरणासाठी व उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाच्या निवृत्त अध्यक्षते खाली आयोग स्थापन करावा व अचूक एम्पिरियर डाटा तयार करून अनुसूचित जाती आरक्षण उपवर्गीकरणाची सुरुवात करावी या मागणीसाठी आज मातंग समाजाच्या वतीने जिल्हाधिकारी कार्यालया समोर एक दिवसीय लाक्षणिक आंदोलन करण्यात आले आहे.....! या धरणे आंदोलनाचे नेतृत्व परिमल कांबळे, ज्येष्ठ नेते रामदासभाऊ तायडे, शंकरराव अवचार, जयदेव इंगळे देवलाल अवचार, गजाननदादा साठे, नारायणराव मानवतकर, श्रीकृष्ण चव्हाण, बालकृष्ण गायकवाड,अनिल गायकवाड, नारायण खराटे,अनिल तायडे,गणेश सपकाळ, जगदीश भोंगळ, राजकुमार ससाने, आशिष शेलार, रजनीकांत अडसूळ, सुभेदार रमेश खंडारे, भगवान खडसे, प्रकाशराव तायडे, विमलताई वानखडे, , विठ्ठल नावकर, प्रभाकर गवई, मुकेश कैतवास सागर शंभरकर, गजानन शिंदे, भगवान पवार, नंदलाल सावळे, अविनाश जाधव, अमोल गायकवाड, मोहन अंजनकर, म

दो दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ

जाजू कन्या महाविद्यालय में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।लड्डू गोपाल की प्रतिमा के समक्ष झांकी सजाई गई और पुष्प समर्पित कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री विजय बाफना ने कहा कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन जी यादव के आह्वान पर महाविद्यालय में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। यह अवसर आनंद का अवसर है, जो सभी भारतीयों के ह्रदयों को भक्ति के आनंद में मग्न करता है। कृष्ण का जीवन ही संदेश है। कृष्ण ने हर कदम पर कुछ ना कुछ त्याग किया है, लेकिन संसार को प्रसन्नता और आनंद से रहने का संदेश दिया है। विशेष वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एन के डबकरा ने कहा कि आज श्री कृष्ण जन्मोत्सव के इस अवसर पर मन में आनंद का भाव है।श्रीकृष्ण प्रेम और समर्पण के प्रतीक हैं। वे हमें जीवन को जीने का सही दिशा निर्देश देते हैं। उनके

द्वारा गीता के उपदेश में भी कर्म का संदेश छुपा हुआ है। हम सभी को सतत् अपने-अपने कर्मों में रत रहकर समाज और राष्ट्र की प्रगति में अपने-अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए । वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ.बीना चौधरी ने कहा कि कृष्ण का बाल रूप हमें आनंद से सराबोर करता है। सूरदास द्वारा चित्रित बाल वर्णन सभी के ह्रदयों को वात्सल्य भाव से ओतप्रोत करता है और भक्ति का एक विशेष संदेश देता है। हमारे संतो ने कृष्ण का जो स्वरूप बताया है वह मानव जीवन को सही राह दिखाने वाला है उनके द्वारा बताए गए कर्म के पथ पर चलकर ही हमारी मुक्ति हो सकती है निष्काम कर्म का जो संदेश कृष्ण देते हैं, वह सभी के लिए अनिवार्य है। वर्तमान धधकती हुई परिस्थितियों में कृष्ण का यह निष्काम कर्म का संदेश ही एकमेव परित्राण है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं के साथ ही डॉ.अलकेश जयसवाल, डॉ. रश्मि हरित, डॉ रश्मि वर्मा, प्रो.सुनील कुमावत, प्रो. हीरसिंह राजपूत, डॉ. अंकिता दीक्षित,श्री अक्षय पुरोहित, श्री हंसराज समीर और सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने भक्ति भाव से आनंदित होकर कृष्ण जन्म पर्व मनाया और भक्ति का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर पंजीरी के प्रसाद का वितरण किया गया। प्राचार्य डॉ.एन के डबकरा ने बताया कि इस पर्व के दूसरे दिन कल छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया जाएगा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के रंग में रंगे नजर आए संस्कृति,मंत्री लोधी

दमोह। जबेरा विधानसभा से विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी भगवान श्री कृष्णा जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए जिसमें सर्वप्रथम ग्राम पतलोनी पहुंचे जहां सेट निर्माण का उद्घाटन किया एवं कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मंत्री लोधी ने कहा कि भगवान कृष्ण ने धरती पर जन्म लेकर राक्षसों का वध किया था और उन्होंने गौ माता की सेवा कर विभिन्न प्रकार की लीलायें की जिन्हें पढ़कर या देखकर हमें प्रेरणा प्राप्त होती है। भगवान श्री कृष्ण ने बाल्य काल में ही पटना का वध किया था और बाल्यावस्था में कुकर्मी कंस का वध कर उसके

अत्याचारों से छुटकारा दिलाया था। आप सभी गौ माता की सेवा कर उनसे प्राप्त दूध का सेवन करें और शक्तिशाली बनाएं जिससे देश समाज और राष्ट्र सेवा के लिए आप योगदान दे सकें। इस दौरान जनपद तेंदूखेड़ा के ग्राम समनापुर पहुंचे जहां श्री कृष्णा जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित कीर्तन भजन में गायन के जमकर झूमे उठे । इस दौरान नगर परिषद तेंदूखेड़ा पहुंचे जहां विशाल रैली का आयोजन हुआ और विभिन्न प्रकार की झांकियां के साथ नगर भ्रमण हुआ इस दौरान जनप्रतिनिधि जन एवं क्षेत्र वासियों की उपस्थिति रही।

प्रकाश पोहरे यांची ईलनाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षपदी अविरोध निवड

महाराष्ट्रातून बाळासाहेब आंबेकर,संजय देशमुख पुरूषोत्तम गावंडे,चेतन भैरम ईलनामध्ये

संजय चव्हाण । सिटी चीफ

अकोला, शेतकरी आणि जनसामान्यांच्या न्याय्य हक्कासाठी झगडणारं एक संघर्षशील आक्रमक व्यक्तीमत्व महाराष्ट्रातील सुप्रसिद्ध देशोन्नती दैनिकाचे मुख्य संपादक,ज्येष्ठ पत्रकार श्री.प्रकाशभाऊ पोहरे यांची ईलनाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षपदावर अविरोध निवड झाली आहे.इंडीयन लॅग्वेजेस न्यूजपेपर्स असोसिएशन (ईलना) ही देशातील सर्वभाषिक वृत्तपत्रांच्या संपादक प्रकाशकांची राष्ट्रीय संघटना असून दिल्लीतील नवीन महाराष्ट्र सदनमध्ये संघटनेची वार्षिक सर्वसाधारण सभा नुकतीच पार पडली.माजी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनिल डांग हे या सभेचे अध्यक्ष होते,व त्यांनीच निवडणूक अधिकारी म्हणून भुमिका बजावली. देशातील वृत्तपत्रांचे केन्द्र आणि राज्य सरकारांकडील प्रश्न सोडविण्याठी लढा देणारी ही स्वातंत्र्यपूर्व काळात 1945 साली मुंबईतून स स्थापन झालेली संघटना असून या व्यासपीठावर देशाचे. राष्ट्रपती आणि पंतप्रधानांनी उपस्थिती दिली आहे.याप्रसंगी दिल्लीत झालेल्या सभेत ईलना संघटन वाढवून संपादक प्रकाशकांना न्या देण्यासाठी राष्ट्रीय अध्यक्षपदाची सुत्रे प्रकाश पोहरे यांचेकडेच सोपवावीत असा प्रस्ताव मांडण्यात आला.त्याला आवाजी मतदानाने आणि बाकडे वाजवून सर्वांनी स्वागत केले.यावेळी प्रथम झालेल्या आढावा बैठकीत व्यासपीठावर सुनिल डांग यांचेसह प्रकाश पोहरे,रविकुमार बिष्णोई,बाळासाहेब उर्फ बाळकृष्ण आंबेकर व मागील सचिव म्हणून संजय देशमुख

यांची प्रामुख्याने उपस्थिती होती. याप्रसंगी डी.ए.व्ही.पी व प्रेस रजिस्ट्रारकडून जाचक अटी व वृत्तपत्र संपादक प्रकाशकांना येणाऱ्या अडचणींबाबत चर्चा करण्यात आली.त्यासाठी संघटीत लढ्याची रूपरेषा निश्चित करण्याचे ठरविण्यात आले. ईलनामध्ये एकून कार्यकारी सदस्य असून दरवर्षी नव्या 7 जणांची निवडकेली जाते.परंतू मागील वर्षात सर्वसाधारण सभा न झाल्याने यावेळी 14 सदस्यांची अविरोध निवड करण्यात आली.आता मा.प्रकाशभाऊ पोहरे यांचे अध्यक्षतेखाली अनुक्रमे 7 च्या गटाने 1 ते वर्षासाठी विवेक गुप्ता,रविकुमार बिष्णोई,अंकित बिष्णोई, डॉ.संजय गुप्ता,ललित भारव्दाज,संजय देशमुख (अकोला),डी.डी.मित्तल,बसवराज गोविदप्पागौल,जी.सी शर्मा,नागप्पा,पुरूषोत्तम गावंडे,संदिप गुप्ता,शिवकुमार अग्रवाल,बाळकृष्ण आंबेकर, चेतन भैरम,सुधीर पांडा,यशपाल सिंग,सरोजीनी आर्गे, डॉ.अभिषेक वर्मा, डॉ.रणदिप घणघस या 21 सदस्याचे कार्यकारी मंडळ निश्चित करण्यात आले.या सभेत कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात,हरियाणा,उत्तर प्रदेश,दिल्ली,पश्चिम बंगाल आदी राज्यातील ईलना सभासद उपस्थित होते.यानंतर नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश पोहरे यांनी कार्यकारी मंडळाची निवड केली.यामध्ये विवेक गुप्ता व अंकीत बिष्णोई यांची उपाध्यक्ष म्हणून तर जनरल राष्ट्रीय महासचिव म्हणून डॉ.रणदिप घणघस, डॉ.संजय गुप्ता तर महाराष्ट्रातून पुरूषोत्तम गावंडे यांची निवड करण्यात आली.बाळासाहेब आंबेकर कोषाध्यक्ष तर याशिवाय ईलनाचे माजी अध्यक्ष व निवडणूक अधिकारी सुनिल डांग यांची मार्गदर्शक मंडळाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षपदी तर चेतन भैराम यांची महाराष्ट्र अध्यक्षपदी,डॉ ललित भारव्दाज उत्तर प्रदेश,सुरेश भुषण जैन दिल्ली,तर सुधीर पांडा यांची ओरिसा राज्याध्यक्षपदी तर महेश दमशेट्टी यांची कर्नाटक अध्यक्षपदी निवड करण्यात आली. कार्यकारी सदस्य म्हणून विश्वप्रभात संपादक संजय देशमुख यांचेसह 07 जण गोवा सभेपासूनच कायम ठेवण्यात आले आहेत.ईतर 14 जणांची निवड अविरोध निवड करण्यात आली आहे.सभेसाठी येणाऱ्या सभासदांच्या निवास व्यवस्थेपासून तर सभेच्या जय्यत तयारीही व्यवस्था अड.दिलीप केने यांनी उत्तम प्रकारे पार पाडली. ईलनाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षपदावर निवड झाल्याबध्दल विदर्भ व महाराष्ट्राला प्राप्त झालेल्या या बहूमानाबध्दल त्यांच्या सर्व पदाधिकाऱ्यांचे लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघाचे संस्थापक - राष्ट्रीय अध्यक्ष व ईलना पदाधिकारी संजय देशमुख,मराठी पत्रकार परिषदेचे माजी राज्याध्यक्ष सिध्दार्थ शर्मा,अकोला जिल्हा पत्रकार संघाचे अध्यक्ष शौकत अली मिरसाहेब,प्रमोद लाजूरकर व अकोल्यातील असंख्य पत्रकारांनी व अनेक सामाजिक संघटना, तथा सामाजिक नेत्यांकडून अभिनंदन करण्यात आले आहे.

सेंट्रल बँक मॅनेजर पळाले पोलीस स्टेशनला

लाडकी बहीण योजनेचा लाभ घेण्याकरिता महिलांची मोठी गर्दी

संजय चव्हाण । सिटी चीफ ।

अकोला, बार्शीटाकळी तालुका पिंजर येथील सेंट्रल बँक मॅनेजर लाडकी बहीण योजना खातेदारांना व महिलांना योग्य मार्गदर्शन मिळत नाही खातेदारांना हेलपाटी घ्यावी लागतात सेंट्रल बँक चे कर्मचारी सविस्तर माहिती देत नाही व महिलांना वागणूक उद्धटपणे वागतात खातेदारांना पैसे जमा करणे पैसे काढणे शासनाच्या विविध उपक्रमा अंतर्गत आपलेच पैसे आपल्याला बँक वेळेवर देत नाही असे खातेदाराचे म्हणणे आहे महिलांना समजून न सांगता बँकेचे मॅनेजर स्वत:च पळून जातात पोलीस स्टेशनची मदत घेतात मदतीसाठी पिंजर येथील कर्तव्यदक्ष अधिकारी गंगाधर

दराडे साहेब सेंट्रल बँक येथे पोहोचून महिलांना व खातेदारांना समजूत घालून बँकेविषयी सविस्तर माहिती देऊन माहिती दिली व पोलीस कर्मचारी बंदोबस्त बँक मॅनेजर ने बोलून बँक खातेदार व महिलांना योग्य प्रकारे वागणूक मिळत नाही वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी दखल घेऊन जनतेला न्याय द्यावा ही विनंती।

कार्यालय - दिव्यांग सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास अनूपपुर जिला अनूपपुर

क्र/CWSN/224/43 अनूपपुर दिनांक - 18/08/24

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्र / राशि के / आई.ई.डी/2024/2616 भोपाल दिनाँक 18/06/24 के अनुक्रम में सीडब्ल्यूएसएन दिव्यांग छात्रावास अनूपपुर में निम्नलिखित रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पद का नाम	पद संख्या	योग्यता
1.	अतिथि शिक्षक	01.	स्नातक एवं संबंधित स्नातक एव में बीएड / डी. एड.
2.	केयर टेकर	02.	12ठी उत्तीर्ण + कम्प्यूटर डिप्लोमा को प्राथमिकता
3.	यौकीदार	03.	12 वी उत्तीर्ण + अतिरिक्त योग्यता

टीप - आवेदनकर्ता 30/08/2024 तक संबंधित संस्था में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

वार्डन

CWSN दिव्यांग प्रात्तावास
अनूपपुर
जिला - अनूपपुर (89)

PM मोदी ने यूक्रेन के लिए दिखाई दरियादिली

बाइडेन ने की तारीफ, कहा- आपने शांति एवं मानवता का किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन के लिए दिखाई दरियादिली की तारीफ की है। बाइडेन ने मोदी से फोन पर बात की और यूक्रेन के लिए शांति के संदेश एवं मानवीय समर्थन के वास्ते उनकी सराहना की। मोदी की 23 अगस्त की कीव यात्रा को कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि बाइडेन प्रशासन ने पिछले महीने उनकी रूस यात्रा की आलोचना की थी और कई पश्चिमी देशों ने इस पर नाराजगी जताई थी। कीव यात्रा के दौरान मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा था कि यूक्रेन और रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए एक साथ बैठना चाहिए और भारत शांति बहाल करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

एक्स पर एक पोस्ट में बाइडन ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री बाइडेन ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र के लिए सहयोग के अलावा वहां शांति और मानवीय समर्थन के वास्ते उनके संदेश की भी सराहना की। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन और मोदी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर आधारित अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपने निरंतर समर्थन की पुष्टि की। उसने कहा, दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) जैसे क्षेत्रीय समूहों सहित अन्य मंचों के जरिये मिलकर काम करने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।

व्हाइट हाउस ने मोदी-बाइडेन की बातचीत को लेकर जो बयान जारी किया, उसमें बांग्लादेश का कोई जिक्र नहीं था। जबकि, मोदी ने एक्स अपने पोस्ट में कहा था कि बाइडन से बातचीत में बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाइडन के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का विस्तृत आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, मैंने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली से जुड़े प्रयासों के लिए भारत का पूर्ण समर्थन दोहराया। मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने और बाइडन ने बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की और वहां सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली और अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मोदी की पोलैंड और यूक्रेन की हालिया यात्रा पर चर्चा करने के लिए फोन पर उनसे बात की और यूक्रेन के लिए शांति के संदेश और मानवीय समर्थन को लेकर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, हमने हिंद-प्रशांत में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। मोदी की रूस, पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा तथा बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी। व्हाइट हाउस ने बताया कि दोनों नेताओं ने मोदी की पोलैंड और यूक्रेन की हालिया यात्रा के साथ-साथ सितंबर में प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों पर भी चर्चा की। उसने कहा, राष्ट्रपति (बाइडने) ने पोलैंड और यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्राओं के लिए प्रधानमंत्री (मोदी) की सराहना की, जो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इन देशों की पहली यात्रा थी।

मुहम्मद कादिर ने कहा- शेख हसीना को भेजो वापस

बांग्लादेश ने बाढ़ के लिए भारत को ठहराया जिम्मेदार

ढाका। बांग्लादेश में बाढ़ के हालात के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने वाले लोगों की निंदा करते हुए जातीय पार्टी के अध्यक्ष गुलाम मुहम्मद कादिर ने इसे गलत धारणा करार दिया। गत छह अगस्त को भंग कर दी गई बांग्लादेश की पूर्ववर्ती संसद (जातीय संसद) में विपक्ष के नेता रहे कादिर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए और ''उनके तथा उनकी सरकार के सभी अपराधों के लिए उन पर बांग्लादेश की एक अदालत में मुकदमा चलना चाहिए। बांग्लादेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि दोनों देशों के लोग अच्छे रिश्ते चाहते हैं, वहीं यह भी महत्वपूर्ण है कि हम ऐसा व्यवहार करना बंद करें मानो कोई एक देश 'सर्वोच्च% है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय एक दूसरे के साथ समान भागीदार के रूप में व्यवहार होना चाहिए।

बांग्लादेश में ''इंडिया आउट अभियान के संदर्भ में कादिर ने कहा कि ''दुश्मनी भारत के खिलाफ नहीं है, बल्कि एक विशिष्ट राजनीतिक पार्टी (अवामी लीग) और उसकी नेता (शेख हसीना) के लिए निर्विवाद समर्थन की उसकी नीति के खिलाफ है जबकि देश में उनकी सरकार के दौरान कुशासन और तानाशाही के कई आरोप हैं। कादिर (76) ने कहा, ''बांग्लादेश में बाढ़ के लिए भारत को दोषी ठहराना सही नहीं है। यह एक गलत धारणा है। आप बाढ़ या किसी प्राकृतिक आपदा के लिए किसी को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं? यह सामान्य बात है कि पानी निचले इलाकों में बहकर आएगा। बरसात के मौसम में अगर पानी नहीं छोड़ा जाता है, तो वहां स्थित बांध टूट सकते हैं और इससे कहीं बड़ी आपदा आ सकती है।

उन्होंने कहा, ''बेहतर होता कि भारत की ओर से जल्द चेतावनी जारी की जाती तो हमारे पास तैयारी के लिए समय होता। कादिर के बयान बांग्लादेश में बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने संबंधी कुछ खबरों की पृष्ठभूमि में आए हैं। भारत ने बृहस्पतिवार को इन खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया था कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में मौजूदा बाढ़ की स्थिति त्रिपुरा में गोमती नदी पर एक बांध के खुलने के कारण आई है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच बहने वाली नदियों में बाढ़ एक साझा समस्या है जो दोनों ओर के लोगों को प्रभावित करती है और इसके समाधान के लिए परस्पर सहयोग की जरूरत है। कादिर ने कहा, ''जो लोग हालात को नहीं समझते और मौजूदा भारत विरोधी भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, वे लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

बांग्लादेश के मित्र होने के बावजूद भारत के विरुद्ध भावनाएं पैदा होने के बारे में पूछे जाने पर कादिर ने कहा, ''भारत विरोधी भावनाएं उसके लोगों के खिलाफ नहीं बल्कि नीति निर्माताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, ''गुस्सा भारतीय लोगों के खिलाफ नहीं है; यहां अब भी ऐसे लोग हैं जो लोगों के बीच अच्छे संबंध चाहते हैं। लेकिन समस्या यह है कि भारत ने अवामी लीग को उसकी सभी खामियों, कुशासन, उचित चुनावों की कमी और भ्रष्टाचार के बावजूद इतना समर्थन दिया कि अब भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है और यही वजह है कि लोग नाराज हैं और भारत को बांग्लादेश का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा, ''शेख हसीना के भारत चले जाने के फैसले ने स्थिति को और बिगाड़ दिया।

4 बदमाश गोली लगने से घायल और 4 गिरफ्तार

जन्माष्टमी के जश्न के बीच पुलिस और बदमाशों के बीच हुई धाय-धाय

जब उत्तर प्रदेश का नोएडा जिला श्री कृष्ण जन्माष्टमी के जश्न में डूबा था, इस दौरान दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 4 बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि 4 बदमाशों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से तमंचा कारतूस लूटे हुए पैसे और लूटे हुए मोबाइल बरामद किए गए हैं।

मुठभेड़ के दौरान 3 बदमाश गोली लगने से हुए घायलसूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नोएडा की कोतवाली फेस 3 पुलिस द्वारा किए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान मोबाइल लूट करने वाले 3 बदमाशों धीरेंद्र, पुरुषोत्तम और इमरान के साथ गढ़ी गोल चक्कर हुई पर हुई मुठभेड़ में तीनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बदमाशों की पूछताछ के बाद चोरी का मोबाइल खरीदने वाले सुधीर गुप्ता को पुलिस ने पार्थला गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से तीन तमंचा, कारतूस, दिल्ली से चोरी की हुई यामाहा बाइक और लूटे हुए 14 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने 4 बदमाशों को किया गिरफ्तार

पुलिस और बदमाशों के बीच दूसरा एनकाउंटर कोतवाली सूरजपुर थाना क्षेत्र में हुआ। जहां ब्रेजा कार में सवार बदमाशों की चेकिंग में बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग के जवाब में की गई पुलिस कार्रवाई के दौरान बृजेश शर्मा नाम का बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए भर्ती कराया है, जबकि बंटी मानव और उमेश को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया है। एडीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि बदमाशों ने 24 अगस्त की रात को गुलिस्तान पर अंडरपास के पास मार्शवेल फूड कंपनी के चालक को मारपीट कर 1लाख 9 हजार की लूट की थी।

पुलिस ने इन बदमाशों के कब्जे से 4 तमंचा, कारतूस, लूट में इस्तेमाल ब्रेजा गाड़ी और लूट हुई 1 लाख रुपए बरामद किए हैं। पुलिस बदमाशों के अपराधिक इतिहास और अन्य जानकारी तलाश कर रही है।

मायके से नहीं लौटी पत्नी, दुखी पति ने मौत को लगाया गले

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र में एक युवक ने पत्नी के मायके से न आने से व्यथित होकर फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मनियर थाना क्षेत्र के मनियर कस्बे के सरवार ककरघट्टी मोहल्ले में सोमवार की शाम आलोक रजक (28) नामक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। मनियर थाना के प्रभारी रत्नेश दुबे ने मंगलवार को बताया कि आलोक रजक की पत्नी अपने मायके में है और वापस नहीं आ रही है। आलोक ने इसी से व्यथित होकर फांसी लगाई। दुबे ने कहा कि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। रोपड़ के 5 साल के तेगबीर सिंह ने माउंट किलिमंजारो की चोटी पर चढ़कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। माउंट किलिमंजारो की ऊंचाई 19,340 फीट (5895 मीटर) है। तेगबीर अब सबसे कम उम्र का

एशियाई पर्वतारोही बन गया है। उसने 18 अगस्त को ट्रैकिंग शुरू की और 23 अगस्त को चोटी पर पहुंच गया। यह ट्रैक कम ऑक्सीजन वाला होता है, इसलिए चढ़ाई से पहले खास तैयारी की जरूरत होती है। तेगबीर ने सभी चुनौतियों को पार कर लिया। माउंट किलिमंजारो की चोटी पर सामान्यतः तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहता है। तेगबीर को उसकी इस उपलब्धि के लिए तंजानिया नेशनल पार्क के कंजर्वेशन कमिश्नर ने माउंटेन क्लाइंबिंग सर्टिफिकेट से सम्मानित किया।

US के सिएटल हवाई अड्डे पर इंटरनेट सेवाएं तीसरे दिन भी बाधित, अधिकारी-यात्री परेशान

साइबर हमले के कारण अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंटरनेट, फोन, ईमेल और अन्य संचार सेवाएं सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी बाधित रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारी हमले की जांच और सेवाएं बहाल करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। हवाई अड्डे के उड्डयन प्रबंध निदेशक लांस लिटल ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा, ''हम आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और यात्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। लिटल ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारी परिवहन सुरक्षा प्रशासन और सीमा शुल्क एवं सुरक्षा विभाग

सहित अन्य संघीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि सेवाएं किस हद तक प्रभावित हुई हैं, लेकिन लिटल ने स्पष्ट किया कि इससे यात्रियों की जांच करने की टीएसए की क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा है। डेल्टा और अलास्का एयरलाइंस सहित कुछ विमानन कंपनियों ने साइबर हमले से सेवाएं प्रभावित होने से इनकार किया। हालांकि, हमले से सिएटल हवाई अड्डे के बैगेज सॉर्टिंग सिस्टम के प्रभावित होने की खबर है, जिसके चलते हवाई अड्डे के अधिकारियों को यात्रियों को सामान की जांच करने से बचने की सलाह जारी करनी पड़ी, ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके। अधिकारियों ने यात्रियों को अतिरिक्त समय लेकर हवाई अड्डे के लिए निकलने की सलाह भी जारी की। उसने यात्रियों से कहा कि वे 'बोर्डिंग पास और बैग टैग हासिल करने के लिए विमानन कंपनियों के मोबाइल ऐप्लीकेशन का इस्तेमाल करें। अधिकारियों ने रविवार को फेसबुक पर लिखा, ''हवाई अड्डे की टीमें सभी सेवाओं को बहाल करने की दिशा में काम कर रही हैं, लेकिन इसमें कितना समय लगेगा, यह अभी नहीं बताया जा सकता।

जन्माष्टमी पर पटना के इस्कॉन मंदिर में मची भगदड़

धक्का-मुक्की में कई लोग घायल, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पटना। बिहार की राजधानी पटना शहर स्थित इस्कॉन मंदिर में सोमवार को जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। शाम करीब साढ़े सात बजे अचानक भीड़ बढ़ने और गेट खुलने से धक्का-मुक्की बढ़ गई। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस व सुरक्षाकर्मियों को लाठियां बरसानी पड़ी। भगदड़ की स्थिति में कई लोग घायल हो गए।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर सोमवार की शाम इस्कॉन मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात किए गए थे... लेकिन जब श्रद्धालुओं के कारण स्थिति अराजक हो गई तो हमने तुरंत और अधिक कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं ने मंदिर तक पहुंचने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश की जिससे सुरक्षाकर्मियों को काफी परेशानी हुई, लेकिन स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सुरक्षाकर्मियों को भक्तों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उनपर हल्का बल प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है। कुछ श्रद्धालु जमीन पर भी गिर गए और सुरक्षाकर्मियों को उनकी मदद करते देखा गया।

कुछ श्रद्धालुओं के चोटिल होने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर एसएसपी ने कहा, ''ऐसा हो सकता है कि कुछ श्रद्धालुओं को मामूली चोटें आई होंगी... लेकिन स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में थी। इस बीच पटना जिला प्रशासन ने देर शाम एक बयान जारी कर कहा, ''इस्कॉन मंदिर में कोई भगदड़ नहीं मची।

उन भक्तों को रोकने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया जिन्होंने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर मंदिर परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की थी। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569